भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता ।
NATIONAL LIBRARY, CALCUTTA.

वर्ग संख्या
Class No. H 784.8

पुस्तक संख्या
Book No. V379

रा० पु०/ N. L. 38.

MGIPC—S4—59 LNL/64—1-11-65—100,000.

मजमूआ हरदिलअज़ीज़

मनुष्यों की मनोरञ्जना

के

निमित बाबू बंशीधर॥

ने

संग्रह कर

मथुरा

मतबअ़ मुम्बैउलउलूम में मुन्शी
कन्हैयालाल के प्रबंध से छपा॥
तीसरीबार २५०० सन १८७७ ई०

Rs. 15/-

भूमिका ॥

प्रकट होकि आजके समय बहुधा मनुष्यों की रुचि ख्याल गज़ल, ठुमरी, होली, वगैरह के पढनेमें अधिकपाईजातीहै इसलिये मनुष्योंकीमनोरंजनाकेनिमित्त यह पुस्तक ख्याल, गज़ल, ठुमरी, होली, टप्पा, आदिकी कि जिस्से हर एकपुरुषकामनप्रसन्नहो और कुछ कुछ उर्दू बोलनेका भीअभ्यासहोजाय इसकारण बाबूबंशीधरमनेजरमतवअ मुम्बेअल्उलूमने बहुत परिश्रम करिके बहुतसीहिन्दी वउर्दूकी पुस्तकोंसेसंग्रहकर इसपुस्तकोकों बनाया ॥

और मुन्शीकन्हैयालालकीअनुमतिसे इसकानाममजमूअहरदिलअज़ीज़रक्खागया ॥

अबमेरीसबबुद्धिमानोंसेंयह प्रार्थनाहै किजहां कहीं भूलचूकहो उसकाक्षमापनकरैं औरकृपादृष्टिसेंसुधारलें ॥

NATIONAL LIBRARY
No. 24099
Date 21.8.68
CALCUTTA

सूचीपत्र

इश्तहार

विदितहोकि इसपुस्तककोंवहुतपरिश्रम करकेंवावूवंशीधरनेसंग्रहकरकें निजछापे खानेमेंछपवाया इसलिये सवब्योपारी और छापेखानेवालोंसेयहप्रार्थनाहैकि विनाआज्ञा मुहतमनेजर औरमुन्शीकन्हैयालालसम्पादकके कोईसाहवछापनेकाआरंभनकरैं ॥
विदितहोकिइसपुस्तकालयमेंभाषावसंस्कृतव फ़ारसीवग़ैरहकीवहुतसीपुस्तकेंहैं जिसकिसी कोंलेनाहोवहअपनीदरख्वास्तहमारेपासभेजे उसकोंसस्तेदामोंसेदीजायंगी ॥

॥श्रीगणेशायनमः॥

पद अस्थाई

१॥ बहियाँ क्यौं मरोरीरे॥ अंतरा॥ तुमजावसं
गर घर अपने लरिका मोरी गारी देएरकरत हैं
करकी बंगरी तोरी॥ ऐसे लंगर ढीट कन्हैया पीत
करतब स्जोरीरे॥ तुमजावसंगर घरअपने लरि
का मोरी बहियाँ क्यो मरोरीरे॥१॥
॥२॥ मनमोहनको मुखदेखन हीमेरे नेननमें छवि
छायरही (अंतरा) मनहीनभयोनन छीनभयो पिया
हेरन आपहिरायरही॥ जबघूंघट दूर कियो मुखने
जबजोनमें जोनसमायरही॥ सोचकिये क्याहोनस
खीजब प्रेमफंदेविच आयरही॥
॥३॥ जोतुमनोरे हमनहिनोरे नोरिनिहोरे साथका
सोंजोरें॥ अंतरा॥ तुमभयेबन घनहमभयेमोरा तु
मभये चंदा हमभये चकोरा॥ तुमभये दीपक हमभ
ये बाती॥ तुमभयेनीरथ हमभयेजाती २ तुमभये स
जीहमभये धागा॥ तुमभयेसोना हमभये सोहागा॥
तुमभये तरवर हमभये पंछी २ तुमभयेमरयरहम
भये मच्छी॥
॥४॥ हैकोई गाहककरे मैं निंदियाबेचूं (अनरा) आये
सजना फिर गये अंगना मेंपापिन रही सो एरे॥ निंदि
याबेचूं हैकोई गाहककरे॥
॥५॥ पायल मोरी बाजे लोग बिगाना जागे (अंतरा)

पायलकीझनकारमोरीसबलुगवासुननहैंपायलली
जोडनार ॥लोगविगानाजागेरे पायलमोरीनाहै
॥५॥

॥६॥ पियाकेमिलनेकीवारीत्रछिपजारेचंदा ९ऋं
तरा ७ छिपगयेचंदाछिटकरहेतारेमेंपापिनरहीवा
टकिनारे॥त्रछिपजारेचंदापियाकेमिलनेकी॥ ०
॥७॥ नैनऋखेवोतुम्हीखिवैयातुमरीजानसोपार
लगैया॥नैयाखेवोतुमहीखिवैया ९ऋंतरा ७ औगु
नकीयहनावभरीहैऋौघटघाटकोघाटलगैया नै
ऋखेवोतुमहींखिवैया॥छोटीसीनैयावोझहैभा
रीसबहीजगनकेलोगहँसैया ७ नैयाखेवोतुमहीखि
वैया॥७॥
॥८॥ मोहनहैनिर्मोहीरेऊधोमोहनहैनिर्मोही॥निर्गुन
सरगुनवातसुनालैचलेजोचाहैसोई॥पीनमनगरको
डगरकठिनहैजैसेधारसरोही॥रेऊधोमोहनहैनिर्मोही
९॥द्वारकानगरीकीसोभादेखनद्विजकीसुधिविसरा
ई॥९ऋंतरा ७ कंचनमहलकोटिकंचनकेकंचनहैंसव
दिनदिखाई॥द्वारिकानगरीकीसोभादेखनद्विजकी
सुधिविसराई॥ऋछेनीकेपलंगविछेमोहनकेजि
सपपोढनकुंवरकन्हाई॥मखमलफर्सविछेमंदिर
मंदरदरवंदरवारवंधाई॥द्वारिकानगरीकीसोभादे
खनद्विजकीसुधिविसराई॥०नाथवादलेपरदेछूट
रहेजिसपरमोतिनकोरलगाई॥विसुदासद्विजनि
रखनडोलेविश्वकरमानेऋापवनाई॥द्वारिकानग
रीकीसोभादेषनद्विजकीसुधिविसराई॥९॥

॥१०॥ परदेसियारे वालम काहे को नैना लगायारे॰ ॰अंतरा॰ नैना लगाया क्या फल पाया नाहक भरमाँ वाया॥ परदेसियारे वालम काहे को नैना ॰॥१०॥

॥११॥ तेरो अहिसान री॰ पिया को मिला दे आली॥ तेरो अहिसान री॥ ॰अंतरा॰ आधीन हुई तुम पै आ इरी खुसखी एरी मेरो मान री॥ पिया को मिला दे आली तेरो अहिसान री॥११॥

॥१२॥ हौं वलि जाउ मधुर सुर गावो॥ ॰अंतरा॰ हेरी हे ववबा के आगे तातें श्रीनउ पजावो॥ अव की वार लहे ती लालन हम कौं नाचि दिखावो॥ कटि किंकिनी पावौं में नूपुर गति में सुघर वजावो॥ वांह पसारि कैं ठोटी कर धरि भाव अधिक छवि पावो॥ हौ कै चतुर सुजान सों प्यारे आछी भांति नंद हि दिखरावो॥ सूरदास वलिहारी ठाकुर सो भादेव नचावो॥१२॥

॥१३॥ जौं जौं वदरवा गरजै तौं तौं मेरा जी यौं डरे॥ ॰अंतरा॰ दामिनी दमक आई पवन चलै सननन पुरवैया निगोडी निस नींद न आवे पपीहा पीपी करै॥ जौं जौं वदरवा गरजै तौं तौं मेरा जी यौं डरे॥१३॥

॥१४॥ ऐसी चतुर छवीली श्री राधा॥ मन नो परवस परि गोरी॥ ॰अंतरा॰ तुम्हरी दयासो विमल किसोरी कुंज पुंज हम साधे॥ अति लालसा वढी ब्रज वजियमें कोटिन अनुराधे धन वृंदावन में वंसी वट जहां विहरत हरि राधा॥ नंदराय अति ही वडभागी जिन्है श्री कृस्न सदा मरजादा॥१४॥

॥ ठुमरी॥

॥१॥दागदिलौंविचदेगयेवेजानी(अंतरा)सगरीरैन
मोहेनलफनवीनीरोदनरोदनभईहौंदिवानी॥दाग
दिलौंविचदेगयेवेजानी॥१॥

॥२॥ओगुलवदनीनेराजोवनवाहाकिममाँगेसाहि
वरी अरेगुलवदनी॥अंतरा॥पांचरुपेयापियादा
माँगेदसमांगेकुतवाल साराजोवनवाआशिकमाँगे
कासैंकरौंफरियाद॥ओगुलवदनीनेराजोवनवा
हाकिममाँगेसाहिवरी॥

॥३॥सूनीरेमंडैया मोरेकोजागेरेननदो॥अंतरा॥
सावनभादोंकीरैनअंधेरीविजलीचमकेरे॥अजहूं
नआयेस्वामीजागनभईलोभोररे॥अरेसूनीरेमंडैया
मोरेकोजागेरेननदो॥

॥४॥अरेदादीजारवाकेनानीकेसाघरवाछायारे॥
(अंतरा)उडगयेफूसनिकसगईवाती)होरेटपकत
बूंदपरतमोरीछाती॥केसाघरवाछायारेदादीजार
वाकेनाती॥

॥५॥मैंमारीमरूंदरदकी॥अंतरा॥अटरियाकैसेजा
ऊंरी सेजवालमकीमैनाचूंटमोरीपायलवाजे॥और
जागेनगरकेलोगरी)मैंमारीमरूंदरदकी॥

॥६॥कोनोडेरेसरकारीनिवुआ)कोनोडेरे(अंतरा)
सैंपाहमाराबजीरकाचाकरदिवराहमाराहजारी॥
निवुआकोनोडेरे॥कोनोडेरेसरकारीनिवुआंकोनो
डेरे॥६॥

॥७॥मोरीअँखियाफरकनलागी॥कहागयोयार॥
किधरगईसखियां॥अँखियाँफरकनलागी॥

देहफुकरतहै जियानरफतहै ॥ पीतलगाकै मजाहम
चखियाँ अँखियाँफरकनलागी ॥ नैंननमैं दिलदारब
सतहै ॥ अहअँखियांअलमासपरखियाँ ॥ अँखियां
फरकनलागी ॥ बलबलजाऊंमैंउस्तादके ॥ बीचसभा
मेंमोरीपतिरखियाँ ॥ अँखियाँफरकनलागी ॥
॥८॥ रोकीछैलवागैलहजमाहीरे ॥ करनलबारडार
गरेवाहीरे ॥ देखीरीकन्हाईचतुराईठकुराईतोरीदधि
खायदरकायेरी जाओजीजाओजीमोरीकरनगही
अपनी करतमाननताहीनाहीरे ॥ रोकीछैलवागैल
हजमाहीरे ॥ यहघरधरघरघरननकोपैअजमन
आजलईलाजरे ॥ काहेकोंमैंआईमोसेंचूकपडीया
हीघबडाईपछताईसकुचाईरे ॥ रोकीछैलेवागैलह
जमाहीरे ॥ करनलबारडारगरैंवाहीरे ॥
॥९॥ ऐसीकरतरूकरूोरमोरीकगनवाकरकोजाय
लाजकीमारीकहनसकतहूंरी ॥ हीयरीदरकोजाय
पीयआजमनहीयघरघरकांपैरी ॥ घरधरधरकोजा
य ॥८॥
॥१०॥ चंचलछैलमघरोकी आज ॥ जलभरनमैंनजा
ऊंगी ॥ डगरबगरमोरीसुघरगागरकोरी ॥ लंगररूगा
रसेपरोहेकाज ॥१॥ जलभरनमेंनाजाऊंगी ॥ चुरियां
मरोरीझकझोरीतोरीफोरीमोरी ॥ मैंरोंपियानेंमोरील
ईहैलाज ॥ जलभरनमैंनाजाऊंगी ॥

॥ दोहा ॥

तुलसीयासंसारमैंपांचरत्नहैसार ॥
साधुमिलनऔरहरिभजनदयादीनउपकार ॥

॥ग़ज़ल॥

दियाजिसेदिलतोफिरसिनमकानउसकेहरगिज़हि
साबकीजे॥गिलेकोजीमेंनराहदीजेनचश्मअपनीपु
रआबकीजे॥१॥कियाहैआनेकावायदःउसनेलगीहै
टलनेकोरातनोभी॥बजाहैअबजागनाहीअपदिल
नहीमुनासिबजोख्वाबकीजे॥२॥हमआयेमिलने
कोतुमसेंइसदमतुमआपमावैठेहोमुंहछिपाकर॥
यहवज़ेकियाहैजोदिलकोदीजेऔरऐसनाज़ोइता
बकीजे॥३॥जोयोंहींठहरीतोडरहै किसकाबसएक
घडीहीदिनचढाहै॥हमैंउठादीजेयहांसेऐजांवगर
नहनकैहिजाबकीजे॥४॥मियांनज़ीरअबवुहोतुम
जोगाफ़िलतोजितनीफुरसतनज़रमैंहैयहां॥हरंग
इस्मेंनआनेदीजेजोकुछहैकरनाशिताबकीजे॥५॥

॥ग़ज़ल॥

हुईथालकअपनीजोहमनशींजोसनमकोहमसेहि
जाबहै॥कभीअश्कहैकभीआहहैकभीरंजहैकभी
तावहै॥१॥जरादरपैउसकेपहुंचकेहमजोवुलावैंउ
सकोंतोदोस्तों॥कभीगुस्साहैकभीछेडहैकभीहीला
हैकभीख्वावहै॥२॥जोउसअंजमनमेंहैंवैठतेतो
मिजाज़उसकेसेहमकोहां॥कभीइज्ज़हैकभीवीम
है कभीरस्महैकभीदावहै॥३॥वहइधरसेजाके
जोआताहैदोनोहालसेदिलमेंयहां॥कभीसोचहैक
भीफिक्रहै कभीनूरहै कभीतावहै॥४॥जोवहवाद
वोसहकनात़सेजराफिडकेहैतोनज़ीरको॥कभीमि
सरीहै कभीकंदहै कभीसहदहै कभीरावहै॥५॥

॥ग़ज़ल॥ फनउन्हैरोना

॥३॥ हुयेदफ़्ज़जोकिहैंवेक़ ख़ञवहारहे ॥ किफ़रिश्तेपढतेहैंफातहहन।न २॥ नहैनमज़ारहे ॥
॥१॥ नथाशाहरखुल्दसेयहभीकमसभीजाखुशीथी नथाअ़ालम॥ चलीएसीवादसमूमग़मनवहरंग हैनवहारहे ॥२॥ जोदुशालेपोशथेमिस्लगुलतो। लवोंपेरखतेथेजामसुल॥ वनेदस्तग़मकेहैंखारगुलनकवाहैंननपेनतारहे ॥३॥ गयेशाहज़ादेहैंकेदमेंकहोअ़श्कसुखेनक्योंवहे ॥ चलेंहायक्योंकिव। हमंजिलेंकिक़दमकाउठनाभीवारहै ॥४॥ कोईग़ममेंरोयेनतावकेयहीकहतीमर्गहैपैवपै ॥ यहवजायकंठेकेतोक़हैयहजोफांसीहैंयहीहारहै ॥५॥ दुईतंगउम्मतुमुस्तफ़ानहींउठतासदमाअ़ज़ावका ॥ कहींरहमजल्दहोयाखुदावुरेवक़्तकातुहीयारहे ॥६॥ यहवहग़जलहैकिमुवींजिसेसुनकेरोतेहैंमहजवी ॥ वहकौनजिसकोकिग़मनहींयहांसवकासीना। फ़िगारहै ॥७॥

॥ग़ज़ल॥

॥४॥ वहजोतुममेंहममेंकरारथातुम्हेयादहोकिनयादहो ॥ वहीपानीवाइदहनिवाहकातुम्हेयादहो किनयादहो ॥१॥ वहजोलुत्फ़मुफ़्पेथेपेशतरवहकमेंकियामेरे हालपर ॥ मुफ़ेसवहैयादज़राज़रातुम्हे यादहोकिनयादहो ॥२॥ वहनयेगिलेवहशिकायतें वहमज़ेमज़ेकीहिकायतें ॥ वहहरएकवातपेरूठनातुम्हेयादहोकिनयादहो ॥३॥

कभी वैठे सब मैं जो रोवरू तो इशारे तो में थी गुफ़्तगू ॥ व
ह बयान शौक़ का बरमला तुम्हें याद हो कि न याद हो ॥
४॥ इये इन्नफाक से गर रव हम तो वफा जनाने को दम
बदम ॥ गिलह मलामतओ क़र रवा तुम्हें याद हो कि न या
द हो ॥५॥ कोई बात ऐसी अगर हुई कि तुम्हारे जी को बुरी
लगी ॥ तो बयान से पहिले ही भूलना तुम्हें याद हो कि न
याद हो ॥६॥ कभी हम में तुम में भी चाह थी कभी हम
से तुम से भी राह थी ॥ कभी हम भी तुम भी थे आशना तु
म्हें याद हो कि न याद हो ॥७॥ सुनो ज़िक्र है कई साल का
किया आपने एक वायदा था ॥ सो निवाहने का तो ज़ि
क्र क्या तुम्हें याद हो कि न याद हो ॥८॥ कहा मैंने बात
वह कोठे की मेरे दिल से साफ उतर गई ॥ तो कहा कि
जाने मेरी बला तुम्हें याद हो कि न याद हो ॥९॥ वह बि
गड़ना वस्ल की बात का वह न मानना किसी बात का ॥
वह नहीं नहीं की हर आन अदा तुम्हें याद हो कि न याद
हो ॥१०॥ जिसे आप कहते थे आशना जिसे आप क
हते थे बावफा ॥ मैं वही हूं मोमिन मुबतिला तुम्हें या
द हो कि न याद हो ॥११॥

॥ग़ज़ल॥

॥१॥ खुलैंगे भिक वों के जब कि दफ़न रहैं इधर हमारे
उधर तुम्हारे ॥ तो क्या क्या गुज़रेगी आह दिल पर इध
र हमारे उधर तुम्हारे ॥ लड़ो न हम से ए मेरे दिल वर य
ह बात जाने दो मानो कहना ॥ नहीं तो मज़कूर होंगे घ
र घर इधर हमारे उधर तुम्हारे ॥२॥ हमारे दिल पर
है दाग़ हसरत तुम्हारे मुंह पर है दाग़ चेचक ॥ यह दोनों च

म कैंगे मिल्ल अखतर इधर हमारे उधर तुम्हारे ॥३॥ तुम्हें अ
बअपनी कसम हैं जाना मिले तो एसा मिलो कि जिस में गमें जु
दाई न आवे दिल पर इधर हमारे उधर तुम्हारे ॥४॥ मिलूं मैं कैसे
कर दुआ हुं दैरां अगरचे नदोनो तरफ है ख्वाहिश ॥ फिरे हैं जा
सूस यहां तो घर घर इधर हमारे उधर तुम्हारे ॥५॥ सितम का आ
तुम जवाब दोगे भला जो पूछेगा तुम को ख्वालिक ॥ जो होंगे मुन
सिफ व रोज़ महशर इधर हमारे उधर तुम्हारे ॥६॥ शराब है य
ह समझ के पीना ख्वराब करता है इस को आलिम कहीं न शेमें
खुलैं न जोहर इधर हमारे उधर तुम्हारे ॥७॥

॥ गज़ल ॥

मरा जाना हूं तेरे हिज्र के मारे आरे ॥ मेरे जानी मेरे दिलवरमे
रे प्यारे आरे ॥१॥ आरा तो सिर पर चला मैं रखले किन अब
तो ॥ शोक मैं तेरे कहां जाऊंगा आरे आरे ॥२॥ मुद्दतें हो चुकीं
फिरते हुये आशयारों के ॥ एक दिन रात को महमान हमारे
आरे ॥३॥ याद करके वह तेरा चांद सा मुखड़ा वे महर ॥ वै
ठा गिनता हूं फलक पर के सितारे आरे ॥४॥ नूर वे ताव है
आज बस्कजुदाई से तेरे ॥ रश्क खुर्शीद मेरे माह के प्यारे आ
रे ॥५॥

॥ गज़ल ॥

॥१॥ तसव्वुर उस सनम का दिल में लाये जिसका जी चाहे ॥
हमारी बात सुनकर आज़माये जिसका जी चाहे ॥१॥ मुहब्ब
त के महल में आ पाके जो वाज रहता है ॥ नहीं ख्वाला का घर
इस में जो आये जिसका जी चा है ॥२॥ कहा मनसूर ने सूली
पै चढ़ कर इश्कबाज़ों से ॥ यह उसके बाम का ज़ीना है आये
जिसका जी चाहे ॥३॥ गुरूरे हुस्न पर हम से वह ना हक कमान

करताहै ॥यहनोवनचंदरोज़रहैवजाएजि रूज़ीचाहै॥४

॥ग़ज़ल॥

१॥बुतोंसेवचकेचलनाहूं परआफ़तआहीजानीहै ॥य हकुफ़ारिक़यामतहैतवीअतआहीजानीहै ॥१॥ यहस बीकहनेकीवातेंहैंहमउनकोंछोडबैठेहैं ॥जवआंखें चारहोतीहैंतोमुहब्बतआहीजातीहै ॥२॥ जहांउल्फ़त कानामआयावदलजातीहैसीरतभी ॥निगाहैशर्मआ गीमेंप्यारातआहीजानीहै ॥३॥ नउलझोनानहुशम नसेकिऐसाहोईजाताहै ॥ जहांइखलासहोताहैवहां शिकायतआहीजानीहै ॥४॥ ज़हीरेरिख़लज़ोंजबसोर हाकुछखाकेसुननेहैं ॥तअज्जुबक्याहैइन्साकोहमी अतआईजानीहैं ॥५॥

॥गजल॥

॥१॥ निशानेवादमुरदनभीरहाहूंतीरकातिलकावं नाप्याकरतेहैंनावककिंयाननूहामेरीगिलका ॥१॥ इ धरमैंनेतवाजेकीउधरनाज़ीमउन्होंनेदी॥ झुकाईमें नेंगरदननीउठानाहाथकातिलका ॥२॥ यहीज़ुमेंहै किज़िक्रिसववपामालरहनेहैं ॥ हिना नेंज़िवहक रनेमेंनथामाहाथकातिलका ॥ इलाहीखैरकेल्कतरह से आवाज़आवैघुंघुरूकी ॥ फडकजावेकलेजादेख कैउसरश्कविस्मिलका॥ फकीरीमेंवजीराकेपरीयें पाउपडतीहैं ॥ गदाईभीकरूंतोलेकेकासामाहका तिलका ॥५॥

॥रेखता॥

दिवानहुआनकरमुझकोनमारो॥ मेंअपनीजान

पर मरता हूं यारो ॥ यह जाता है यह जाता है लिये दिल
खुदा के वास्ते इसको पुकारो ॥ ज़ियादः गुस्सा ग़र यारा करे
मति ॥ न खाओ सिर मेरा जाओ सिधारो ॥ गये क्या मुफ्त
एक चितवन पै उसके ॥ दिलों दीं न होश औ रन सकीन
चारों ॥ सदा किस पर रही है मुझा कि ले हिज्र ॥ तु एव ।
अपना अभी से जीन हारो ॥ २ ॥

॥ रेखती ॥

तुम से न सीम किया कहूं वह लोग क्या हुये ॥ अपने ग
ये वहार के दिन सब वह वा हुये ॥ १ ॥ आंखें मिलाई औरों
से हम से जुदा हुये ॥ जंगली हिरन से तुम भा जी वह भी ।
सिवा हुये ॥ २ ॥ फूली फली न हाय स नोवर से जोरु वा
ज ॥ वह वचा निहाल देगी मुझे वद दुआ हुई ॥ ३ ॥ कड़वे
कसीले दिन हैं लगी जर हर उनको बात ॥ मिसरी को कोसा
फ़िरी नें बह बद मज़ा हुई ॥ ४ ॥ रोजा न हर जमीन में वह
रेखती कही ॥ सुन सुन के होश वैरियों के वा खन: हुये
॥ ५ ॥ ॥ रेखती ॥
मुंह पे क्या पूछना पूस फ से वूआ मेरे वार ॥ इश्क में ना
म जुले खां का हुआ मेरे वार ॥ १ ॥ रात को ख्वाब में लैली
ने कहां वंदी से ॥ तूने फिर जिन्दः मेरा नाम किया मेरे वा
र ॥ २ ॥ जीने जी वंदी का अहवाह दिखाये से हरा ॥ मुफ्त
को क्या लोगो जो घर इसका वसा मेरे वार ॥ ३ ॥ क़बर
में रूह को सदम: मेरे होगा मिरज़ा ॥ सो तवचों पै भ्र
गर हो गी ख़फ़ा मेरे वार ॥ ४ ॥ कारखाने में खुदा के न
हीं कुछ दख़्ल वुआ ॥ वचा तुम पहिले जनीं क्या हुआ
मेरे वार ॥ ५ ॥ सुसपै जो चाहती कह ले नीं बुरा या कि ।

भला ॥ उनसेकरखानथाबाजीकोगिलामेरेबाद ॥ ६ ॥
भेयाफहीदहीथेजानजोदीशीरींपर ॥ तुमनहीं ऐसी
जोदिखलाओबफामेरेबाद ॥ ७ ॥ भूलीकिसविरतेपै
होयादरहेहोएवन्नो ॥ इसनसीहतकाउठाओगीमज़ा
मेरेबाद ॥ ८ ॥ जीतीजवतककहूंमैंहैसारीमुहब्बतसा
हिब ॥ ऐसेतुमब्याहनकरोगेनभलामेरेबाद ॥ ९ ॥
दिलयतीमोंकाबहुतहोताहैनाज़ुकलोगो ॥ जानसा
हिबकोघुरकनाजरामेरेबाद ॥ १० ॥

॥ रेखता ॥

देजोमुखंदीकोकुछक्यामुंहहैउसकंगालका ॥ आ
जनकपनपानहींमाराङ्गसाहैकालका ॥ १ ॥ सुमकेघ
रमेंमियांकीदालगलनेकीनहीं ॥ ब्रह्मराससजानले
गाआंखलेगीकालका ॥ २ ॥ नामपरदेनेकेदरवाजे
कीकुंडीभीनदे ॥ चोरघरचोपटकरैंवहमुहहैतुम
कोमालका ॥ ३ ॥ जानसाहिबजिस्सेखुलजानीहैस
बनेकीवदी ॥ रेखतीसचमुचतेरीपासादेरम्भाल
का ॥ ४ ॥

॥ रागषेमाच ॥

प्यारेनेकधीरैधीरैफूल ॥ जीयघबरातिवडेवडेमोट
नउडुउडपडनदुकूल ॥ टूटगयोउरहारछूटगएसि
रजूरेकेफूल ॥ हीरासखीसुनवचनपियाकेलालभ
एअनकूल ॥

॥ टप्पाअस्थाई ॥

॥ १ ॥ आजबमज़ाजिंदगीदोभलाबंदगीबिवरहना ॥
अंतरा ॥ इनमहबूबोंसंगरहनाहैसनाखेलनागाली

खाना रजी रहना वे मेरी जान ० आज व मजा जिंदगी दा
भला वंदगी विच रहना ॥१॥
॥२॥ गजरिपनिए भरे ओमधमाती ॥ अंतरा ० रेशम
दी डोरी शोने दा गडु आरत नजडाऊ ई डवी रस भरी
गायरी सीस धरें ॥ ओमधमाती गजर पानी रा भरे
॥३॥ जो मरजी मिंडेया रदी ॰ अंतरा ० दिलदा महरम
कोई न मिलिया जो मिलिया सो गरजी ० जो मरजी मिं
डेया रदी ॥३॥
॥४॥ आं खें अनूखी संभाल वेगा गर मोरी ए वहियां आ
खें अनूखी संभाल ॰ अंतरा ० तेरी मेरी दोस्ती आल
मजाने औरजाने नैं नों दा कजरा ॥ आं खें अनूखी संभा
ल वेगा रा र मोरी वहियां ॥४॥
॥५॥ हम तो तुमरे रंगर जीरे ० अंतरा ० वैठरहो ढिंग मो
रे पियर वायही हमारी अरजीरे ॥ हम तो तुमारे गरजी
रे ॥ विन गरजी कोउ काहू के न आवे सासन ननदवर
जीरे ॥ हम तो तुमरे गरजीरे ॥५॥
॥६॥ चाकर रहिये नो कर रहिये भला वेने नैं वालों देवा
कर रहिये ॥ अंतरा ० आठ महीने पिया नौकर रहिये
चार महीने घर रहिये ॥६॥
॥७॥ इश्क दा घाव मन खाना मियां संभल जाना वे ० अं
तरा ० इश्क दी दारू वारी वे कोई नहीं जाने मियां का फिर
नी रल गाना ॰ पिया वे संभल जाना ० इश्क दा घाव मन
खाना ॥७॥
॥८॥ यारें नैं नों दा दिल वसदा ॰॥ अंतरा ० पलकों दी नों
कें वारी वे दिल विच खुवियां सव रंग घायल कर दा ॥

यारेनैनोंदादिलवसदा ॥८॥
॥९॥ मेरामनलेगयाओचीरेवालायार (अंतरा) हाल
दिलोंदावेमैंकिसनूंसुनावांवेसाडीजिंदडीनूंकोईरव
रेगया ॥ ओचीरेवालायार मेरामनलेगया ॥९॥
॥१०॥ नैनाथारेज़ोरसिपाईहीडारेनैनाथारेजोर (अं
तरा) कवकीमैंठारीठारीअरजकरतहूं इतनीअर
जमोरीमान ॥ सिपहडारेनैनाथारेज़ोर ॥१०॥
॥११॥ रमगयेजुगियां करगयेसुखियाउठगयाआ
सनरहगईधूनी ॥ अंतरा ॥ सोजुगियांविनआजमंडे
यासूनी रमगयेजुगियांकरगयेसुखिया ॥११॥
॥१२॥ सोमोरीगतिरामजीजाने ॥ अंतरा ॥ रामजीजा
नेपरमेश्वरजानेऔरजानेभगवान सोमोरीगति
रामजीजाने ॥१२॥
॥१३॥ मेरेपैरोंमेंपड़गयेछाले उनमोहनकोमैंढूंढ
फिरीमेरेपैरोंमेपड़गयेछाले (अंतरा) एकवनढूंढा
सकलवनढूंढानैनोंसेवहेनदीनाले मेरेपैरोंमेंपड़
गयेछाले ॥१४॥
दमदाभरोसासानूंकीपायाआयानहींआयानही
आया (अंतरा) इसदुनियाविचवेमहठीमायामियां
क्यालायाऔरक्यालेजायगा दमदाभरोसासानूंकी
पायाआयाआयानहीआयानहीआया ॥१४॥
॥१५॥ आजाजानीतूआजाशोंडावे (अंतरा) तांडे
कारनवेवागलगाईओमियांटुकमुखड़ादिखला
जा ॥० शोंडावेंआजाजानीनूआजा जोनूवलवारी
सानूंभीलेचसना आजाजानीनूआजाशोंडावे ॥१५॥

॥१६॥ थारा ओमें थारी गोंइयां, राजा ओमें थारी गोइयां॥ (अंतरा) सोने दी सराही वारी वेमीने दाप्याला भर भर देमतवारियां, थारा ओमें थारी गोइयां॥

॥१७॥ कालीकालीकमरिया गुरूजी मोको मोल लेदे, (अंतरा) रामजपनको माला ला देजलपीने कौं तुमरिया, गुरूजी मोकों लेदे काली काली कमरिया॥

॥१८॥ सो आज मो रीव हियां मरोरीवे (अंतरा) अरी ए मां कौन गांव छेल चिकनियां पीत करै वरजोरीरे सो आज मोरीव हियां मरोरीरे॥ वाटघाटमें रोकत टोकत कौनवा नियां नोरीरे॥ सदा रंग घरजानदे सासलडेगी मोरीरे॥ सो आज मोरीव हियां मरोरीरे॥

१९॥ रमवद मदा खटकावे हर दम लंगार हेंदा दमें मह रम, रमवद मदा खटकावे (अंतरा) हसीमसीमूल भुलादी घेरी मियां फ़कीरों दा यही लटकावे रमवद मदा खटकावे॥

२०॥ मेरा राजवंसी वारा वेकाहे को पीत लगाई, मेरा राजवंशी वारावे (अंतरा) प्रीत लगाके चले मधुवनका छांड तेलाज न आई॥ मेरा वंसी वारा वेकाहे कों पीत लगाई॥२०॥

२१॥ जादूगर मन मोह लियोरे, सानूलइ धुनि मुरली सुनाई। तिने जादूगर मन मोह लियोरे। (अंतरा) जवने पडी स रोतन मैं यह धुन हंस मुख पर कछु कर दियोरे कछु पढ दियोरे, जादूगर मन मोह लियोरे॥

२२॥ सांवरे नैंरे मिलने नूं जी तरसे, जो सावन बदरा वरसे ओ सांवरे नेरे मिलनेनूं जी तरसे (अंतरा) साव

नकहगयेसजनहूनआयेहंसमुखवीतगयेवरषोंकेअ
रसे· पियारेनेरेमिलनेनूंजीतरसे॥
२३॥मेंदिवानीलेहरीनेनोंतोजालिमजोर·(अंतरा)
नेमातूमिलनेदेसाइंशोरीमियांवेकोनसुनेहालमे
रावे,मेंदिवानीलहरीनेनातोजालिमजोर॥
२४॥केसरियावनारेकेसरियावना·(अंतरा)सिर
तोरेसोनेदासेहराओरमोतियोंकाकंगना,लालल
गेतेरीकलगीमेंखुदारसूलमोरेअंगना,अरेकेस
रियावनारेकेसरियावना,फूलजोलाईफूलमनी
औरमाललनलाईहार,सारीरानकावनराजागणवन
रीकेगलहार॥केसरियावनारेकेसरियावना॥२४
॥२५॥फिरक्योंप्यारमांदेवेजानीयार(अंतरा)औदि
लभीलेजांदेफिरक्योंप्यारमांदे,बुरूदानहीमेंनूपो
रीयहसिखवेफिरक्योंप्यारमांदेवेजानीयार॥
२६॥सुनरीसखीमेंक्याकरूंमेरेनेनन,नसेसैंयादूरगये
अंतरा,कछुआपहंसेकछुनेनहंसेकछुनेननवीच
हंसेकजरा·सुनरीसखीमेंक्याकरूं,रानकीवातमें
कासोंकहोंसखीसुपनेमें,पियायहदिखायगयेदुल
रीहूंसेनिलरीहंसेवाजूवंदनवीचपडोमूगडा,सुन
रीसखीमेंक्याकरूंमेरेनेननसेसैंयांदूरगये॥
॥२७॥माननकाहेनारेसैंयामोरीवानरे·(अंतरा)॥
अरजकरेहंसमुखसुनसांवरोसववतियांतेरेहाथ
रे॥माननकाहेनारेसैंयामोरीवातरे॥
॥होलीअस्थाई॥
॥१॥नाजानूंकछुकीन्होअवीरीरंगभीन्हेकन्हेपाने॥उ॥

(अंतरा) चोवामें कछु चंदनमें आली पानन में कछु दीनो अरीरंग भीने कन्हैयाने. फूलनमें और हारनमें दोनासो दारमन कीन्हो. लालदास प्रभु वांकी चितवन तुरत ही मन हरलीन्हो॥ अरीरंग भीन्हे कन्हैयाने ना जानूं कछु कीन्हो॥

॥२॥ मैं ज वजानूंगी चतुर खिलार. होरी खेलन आवोगे मैं ज वजानूंगी सुघड खिलार होरी (अंतरा) हमरी चुनरिया रंगमें वोरी अपनी पाग वचावोगे. हरिज वजानूंगीर सिक मुरारी॥ फागुनकी रितु मम गट ह रहिहो औरन के जिन जावोगे. मैं ज वजानूंगी चतुर खिलार होरी. केसर के रंग भरि पिचकारी सो छु विहमें दिखावोगे. एक वचन ते दूसर करिहो जगमें नाम धरावोगे. मैं ज वजानूंगी सुघड खिलार होरी खेलन.॥

॥३॥ अंगीयाभीज गई सारी गोइयां। औ सारी गोइयां गुलनारी गोइयां. अंगियाभीज गई सारी गोइया॥ अंतरा॥ अवीर गुलाल के वादल छाये. औरनो पत की पिचकारी दैया. अंगीयाभीज गई सारी गोइयां॥ औररू ठेजात हैं मनाले पियाको. अवकी सोरमना लेगोइयां. अंगियाभीज गई सारी गोइयां. अंगिया के वदले में अंगियारंगा दूं. पांचरूपे या गुनहगारी गोइयां. अंगियाभीज गई सारी गोइयां॥ ३॥

॥४॥ सखीने रेजुवनाने धूममचाई (अंतरा) जो पिया पकड वुलावें वाह नगर में दे नी में रामदुहाई. सखीने रेजुवनाने धूममचाई॥४॥

॥५॥ डारगयोमेरी आंखेंवीच अवीर सांवरो॥ (अंतरा॥
नदियाकेनीरेतीरिगोवाचरावन आखरजान अहीर, सां
वरोडारगयोमेरी आंखेंवीच अवीर॥५॥
॥६॥ मैंतोवेचनजाऊंदही· अचरा मेरो छांडो कन्हैया मैं
तोवेचनजांऊंदही· (अंतरा) जोतुम प्रषा मदहीके भूखे
सावपातमैंदेऊंदही॥ एकलाखमो तियनकाहरवाहा
रे एकलडटूटगई॥ अचरा मेरो छांडो कन्हैया मैंतोवे
चनजांऊंदही॥६॥
॥७॥ घरजानेदेरेमोहेहोरीके खिलैया, होरीकेखिलै
यामधुवनकेवसैया· घरजानदेरेमोहे होरी के खिलै
या (अंतरा) पतगयेपतनाहीरेवालम याव्रजकेसव
लोगहंसैया, घरजानदेरेमोहेहो०॥
॥८॥ मनलूटोहीलेनलुटैयारे (अंतरा) अरुकान्हम
नलूटनहारोनंदकालाल कन्हैयारे॥ अरीमनलूटो
हीलेनलुटैयारे॥८॥
॥९॥ घरजानदेरेमोकों होरीकेखिलैया॥ (अंतरा)
झकझोरनसों मोरी वहियां मुरकगई, टूटगई मोरी
हुलरीकी लुरैयां, घरजानदेरमोकोंहोरीकेखिलै·
१०॥ मोरी अंगियातोरीचुनरीसोंभलीरी॥ (अंतरा)
रंगरंगीली अरुचटकीली अहमद पाह पियाकीम
लीदलीरी, मोरी अंगियातोरीचुनरीसोभलीरी॥०
॥११॥ अवकहांजाओगेस्यामरूपमैंतुमसेंखेलूंगीहो
री, लाला मैंतुमसेंखेलूंगीहोरी (अंतरा) वहियांप
करमोकोंवेवसकीनोरसकीकलीमोरीलेगयोरी
अवकहांजावोगे स्यामरूप मैंतुमसेखेलूंगीहोरी॥

॥१२॥ अब घरजानेदेहु राजरंगरसिया फिर खेलूंगी होरी (अंतरा) गोरीगोरी वहियां हरि हरि चुडियां नाजुक वहियां मरोरी, रसिया फिर खेलूंगी होरी ॥ अब घर जानदेहु राज, विंद्रावनकी कुंजगलिन में खेलत रधा फाग रसिया फिर खेलूंगी होरी ॥ अब घरजानदेहु राज रसिया ॥१२॥

॥१३॥ क्या रंगमें रंगवोरी सांवरे भीजगई मोरी सुरखे चुनरिया, क्या रंग में रंगवोरी सांवरे ॥ (अंतरा) अचरा पकड झकझोरी गेउ घड गई मोरी कोरी किनरिया ॥ क्या रंगमें रंगवोरी सांवरे ॥ १३॥

॥१४॥ बीच मिलैं मधुवनकौं रावलौ मैं पनियां भरनकै सैं जाऊं (अंतरा) कोठे चढूं तौ कीच हिमारे न दिया जाऊं पिचकारी, गोकुल जाऊं तौ रंगहीमें बोरे ऐसी करत मोकूं चोरी, बीच मिलै मधुवनकौ रावलौ मैं पनियां भरनकै सैं जाऊं ॥१४॥

॥१५॥ लाला अब तो तेरी वन आई री ॥ (अंतरा) वहियां पकड मोकूं चूमन लागे, अब तो तेरी वन आई री ॥ संग की सखियां दूर निकसगाई मोकूं अकेली करपाई री ॥ अब तो तेरी वन आई री ॥ वहियां पकर झकझोरी छैल वान ईचोलियां मसकाई री ॥ वहियां पकड मोकूं चूमन लागे, अब तो तेरी वन आई री ॥

॥१६॥ अरे मैं तो आपही रंगमें वोरी कन्हैया मुहपै रंग नडारे (अंतरा) भरपिचकारी पिया मुहपे मारी मैं तो भीजगई तनसारी कन्हैया, मुहपै रंग नडारे ॥ अरे मैं तो आपही रंगमें वोरी कन्हैया, मुहपै रंग नडारे ॥

विनगालिनमोकूंचैननआवैकाहेकोंकरतवरजोरीकन्है
या॰ मुहपैरंगनडारो ॥ अरेमैंतोआपहीरंगमैंबोरीकन्है
या॰मुहपैरंगनडारो ॥१६॥

॥१७॥ अवकीहोरीकोरंगनपूछो ॥ धूममचीहैविंद्रा
वनमैंाह॰ स्यामविहारीचतुरखिलारी॰ खेलरहाहै
रीसखियनमांह॰ हाथलियेपिचकारीफिरतहै अ
वीरगुलाललियेदामिनमांह॰ कैसेसखीकोउनिक
सेमंदिरसों॰ बादेहैदीठलंगरआंगनमांह॰ रंगसो
भीजगईसवधरती॰ विचलतपांउचलनकुंजनमां
ह॰ अंगनिहारतनाककेमारन॰ दागलगावतउजले
वसनमांह॰ मोकोंकहांवह दूढेपावै ॥ मैंनोछिपी
हूंतुरावकेमनमांह ॥१७॥

॥१८॥ कोखेलेवासोंहोरीरिलोगो॰(खंनरा) घूंघट
खोलअवीरमलनहै ॥ मुखमीडनवरजोरीरिलोगो
कान्हकुंवरअसडीठलंगरहै ॥ रामरखैपतिमोरी
रिलोगो ॥ वरजननाहींकभूंवाकों ॥ श्रीवृषभानकी
गोरीरिलोगो ॥ कोखेलेवासोंहोरीरिलोगो ॥ मोरी
नोआंखतुरावसोंलागी ॥ कैसेंकरूंचितचोरीरिलो
गो ॥ कोखेलेवासोंहोरीरिलोगो ॥१९॥

॥होलीख्यालमैं॥

॥१॥ कंथवनागुनवंतनिन्नकछुहोलीऔरवसंतन
हीं ॥ विरहविथाकादुखहैभारीइसकाऔरओरछं
तनहीं ॥ संबुलटेसूसमलनासयहवसंतरुतमेंफूले
हैं ॥ नारंगीगुलमीवूऔरसंगतराजोमफूलेहै ॥ वेला
सेवतीमदनवानऔरगेंदाजोमकफूलेहैं ॥ इसगुल

रूकेचाहनेवालेयहसवझगड़ाभलेहैं ॥ विनारसीव
हजलतीनारीजिसकेघरमेंकंथनही ॥ विरहविथा
काहुखहैभारीइसकाऔरऔरअंतनही ॥१॥ कस
मसिरसोंराईफूलीआगीकजानेआगलगी ॥ विना
आगजलतायहतनमनजिसकेमनमेंलागलगी ॥
दागजिगरसीनेकेभकेजवसेम्यहरुतमाघलगी ॥ हो
फाउडेहैधूलकेवदलेआगेदेखोफागलगी ॥ इसका
रंगअवदेखतूप्यारेऐसाकोईभावतनहीं ॥ विरहवि
थाकादुखहैभारीइसकाऔरऔरअंतनही ॥२॥ कों
नसंभालेविरहकीवातेंयहमारगअतिभारीहै ॥ खां
तिवूंदआकासविरहकीअग्निवूंदचिंगारीहै ॥ वानवि
रहनेतानलगावैजखमजिगरकाकारीहै ॥ चश्मोंसें
आंसवहतेयहफैजइश्ककाजारीहै ॥ प्रेमरूपसाजो
गनहींऔरसऊरसाकोईसंतनहीं ॥ विरहविथाकादु
खहैभारीइसकाऔरऔरअंतनहीं ॥३॥ प्यारेअव
खामोशरहोखामोशीसवसेवहतरहै ॥ वानविरह
कीवहुतवड़ीअवइसकाचरचाअकसरहै ॥ दस्तव
दस्तमुल्कवमुल्कशहरऔरघरघरहै ॥ उसशीनम
कीखातिरकुहनफिरनाक्यूंदरदरहै ॥ विरहवि
थाकादुखहैभारीइसकाऔरऔरअंतनही ॥४॥

॥ होलीख्यालमैं ॥

॥ १ ॥ रंगकहूंनोरंगकहूंसोरंगकीपुरीमेंहोलीहै ॥ प्रेमप
गीसवरेनजगीतनमनसेलगीरूतहोलीहै ॥ रंगकीव
वौछुईहैक्यारीघरभरीरंगकीक्यारीहै ॥ साटीसारी
सरकीसिरकीरंगपड़ीअतिभारीहै ॥ करनीकरले

करसेकरलेकरनेरेपिचकारीहै॥ अंगियाफाडेचीरउतारेमित्रमिलीहौतारीहै॥ प्रेममेंडूवाचोलाहै। औररंगमेंडूवीचोलीहै॥ प्रेमपगीसवरैनजगीतनमनसेलगीरुतहोलीहै॥१॥ चंगवजैमृदंगवजै। हररंगकेवाजेवजतेहैं॥ घमतेहैसवरूसतेहैरंगरंगकेरंगीलेसजतेहैं॥ रंगरूपसखियोंकादेखकरचांदसूर्जभीलजतेहैं॥ प्रेमनेमकीरंगतरंगाकरदोनोंजगकोनमनेहैं॥ नर — निरधनअतिभूलाहैयानारनिरियाअतिभोलीहै॥ प्रेमपगीसवरैनजगीतनमनसेलगीरुतहोलीहै॥२॥ माननयेओसाननयेरंगलियेरंगीलेडोलेहैं॥ अंगरंगेसवसंगरंगेरंगरंगकीहोलीवोलेहैं॥ रागरचेवैरागकछेहंसहंसकेघूंघटखोलेहैं॥ सुखसिंधुमिलेआनंदरलेगलडालवहियांरुकफोलेहैं॥ लाजनहींकछुकाजनहींजोहोनीथीसोहोलीहै॥ प्रेमपगीसवरैनजगीतनमनसेलगीरुतहोलीहै॥३॥ नूरनारपरनजरनहीहैं जिसकोदिलमंजरकरै॥ मनकाभानाघरमेंआतानाजपरीक्याहूरकरै॥ मोरमारपरनजरनहीहैसवकोदिलसेदूरकरै॥ याखुदासेरखानेदिलकोसरजअवमामूरकरै॥ मजहरमेंभीइसमनहवकेआखिरकल्माहोलीहै॥ प्रेमपगीसवरैनजगीतनमनसेलगीरुतहोलीहै॥

॥ख्याल॥

॥१॥ करसेरखमनकोक्यों दिलभटकाताहै॥ गुलग्रवमेंरूपफिरवहीनजरआताहै॥ चंपामेंचतु — भुजरूपचारभुजाधारी॥ गुलगुलावमेंगोविंदखडेगिर

धारी ॥ कि वडे मैं कन्हैयालाल संग सखी सारी ॥ संग लि
येगोपिका नृत्य करै वनवारी ॥ रीहा गुल श्री राधिका
के मन भाता है ॥ गुल गुल मैं रूप फिर वही नजर आता
है ॥ २ ॥ नरगिस मैं नाम नृसिंघ तेज धारी है ॥ मरूवे में
मुरारी लिये गदा भारी है ॥ गुल दाऊदी मैं गोविंद घटा
कारी है ॥ सिर धरै मुकट और भाल ज्योति न्यारी है ॥ व
बूने मैं ब्रह्मा खडा वेद गाता है ॥ गुल गुल्मैं रूप फिर व
ही नजर आता है ॥ सूर्ज मुखी मैं देखो सूरज जोति जल
ती है ॥ गुल चंवेली मैं कला चंद्र कला खिलती है ॥ गुल
लाले मैं गंगा की लहर हिलती है ॥ जो जाने जिसका भेद
ज्योति मिलती है ॥ मदनमोहन मोतिये मैं छाता है ॥
गुल गुल मैं रूप फिर वही नजर आता है ॥ ३ ॥ गुल हू
जारे मैं हरर हैं सदा सैलानी ॥ सेवती मै सारदा वसे क
ठ महारानी ॥ मोलसरी सदा है मुकंद के मन मानी ॥ यह
खुला भेद निर्गुन का नहीं है छानी ॥ गुल नाफरमों मैं रे
ख निरंकार छाता है ॥ गुल गुल्मै रूप फिर वही नजर
आता है ॥ ४ ॥ मदन वान मैं रहे मुरारी आसा ॥ सोसन
सीता और नारद शक्ति का वासा ॥ जूही जाही मैं जलती
जोत ज्वाला खासा ॥ कहे छुटन खुशी रहो शाद रखो
मत सांसा ॥ कहें सूर्ज भान देवतों के मन भाता है ॥ गु
ल गुल मैं रूप फिर वही नजर आता है ॥ ५ ॥
॥ २ ॥ अलफ आप कर्त्तार इलाही जिसे कहते हैं कर्त्तार
विवारी ताला है सब का वही एक सिरजनहार ॥ नेन
ला आमन कर दौलत का जो कुछ तुज को है लेना ॥ से
सा वित ईमान रखो मियां सदा नहीं है यहां रहना ॥

जीमजगतमेंचाररोज़काडुखसुखहैयहसबसहना
हेहकज़ानोवहरफ़िनामेंएकदिनहैसबकोवहना
खेखालिककोरखोयादयहांविसरजांयतेरेडुख
सारे॥वेवारीतालाहैसबकावहीएकसिरजनहा
रे॥१॥दालदिलमेंमतकरमगरूरीजोकुछनुरुकों
हेज्ञाने॥ज़ालज़लीलहुआदोजगमेंमगरूरीसेशैता
ने॥रेरावननेगरवकियाथाढायदियाउसकामानें॥
ज़ेज़वरीमतकरोकिसपरक्योंडोलेहैदीवाने॥सीन
समझलेगरवकरेमनगरवकरतेहैंहारे॥वेवारीता
लाहैसबकावहीएकसिरजनहारे॥२॥शीनशुक
रकरमालिककाजोहैपैदाकरनेहारा॥स्वादसब
रजिनकियाविसीनेपांचोंइंद्रीकोमारा॥ज़्वादज़रू
रहुआदोजगमेंनिरंकारकावहप्यारा॥तोयतखव
जिनकियाइलाहीजनमजीतगयावहसारा॥ज़ोय
ज़ुलममतकरेकिसपरकहताहूंवारंवारे॥वेवारी
ताल्लाहैसबकावहीएकसिरजनहारे॥३॥ऐनइल
मदेखोथोड़ारंगइसदुनियांमेंचितधरना॥ग़ैनग़
ज़वसेडरमालककेअंतएकदिनहैमरना॥फ़ेफ़ा
नीदुनियाकोसोदाअंतखाकमेंहैरुलना॥काफ़क
रदंक़ादरकीसेडरअंतएकदिनहैचलना॥क़ाफ
करम — क़ादरकातुझपैविसरजायतेरेदुखसारे
वेवारीतालाहैसबकावहीएकसिरजनहारे॥४॥
सहजबातमेंकहूंनेरेसेलामनकरलालचभाई॥मी
ममोनसिरऊपरखेलेनूननकरकछुनगराई॥
वावुदिसीकीरटनाकरलेहैसांचेइलाही॥लाम

अलफ़ शाह अली कहते छंद सभा में सुन भाई॥ महरू और
सूरज यह कहते राम राम कह न्यारे॥ वै वारि नाला हि सब
का वही एक सिरजनहारे॥५॥

॥ख्याल॥

॥दे॥ अलफ एक दिन आकर सुंदर गई गले से मेरे लिप
ट॥ वे वो साजो मांगा उस्से गई नाज से फेर पलट॥ तेन मा
म कर सिंगार अपना और खोली बालों की लट॥ से सम्
री औ दु पट्टा चली नाज़ से फेर सिमट॥ जीम झांझन औ
र बिछुवे पायल पहन पाऊं में वह झट पट॥ हे हुस्न औ
र नाज़ अदा ग़मज़े से बोली परे न हट॥ खे खल खाल ज़
ड़ाऊ पहनी और खोल दिये पल्लू के पट॥ वे वो साजो मं
गा उस्से गई नाज से फेर पलट॥१॥ दाल दुपट्टा धानी।
ओट के चली नाज़ से कर घूंघट॥ ज़ाल ज़िकर क्या करूं
आंख का आहू देख कर गया है कट॥ रे रान कों आकर सुं
दर गई गले से मेरे चिपट॥ ज़े ज़ोर सों लिया बगल में सी
न समझ के गई पलट॥ शीन शाम से स्वाद सुबह नक मे
री उसकी रही खटपट॥ वे वो साजो मांगा उस्से गई नाज़
से फेर पलट॥२॥ स्वाद ज़बर बिछुवे के मारे गई किनारी
उसकी फट॥ तो यत मां चे से डरा तो जो यजाहर करती है
हट॥ ऐन अकल की बात वह करती गैन ग़ज़ब करती है
है हट॥ ॥ फ़े फंद कपर लगा कर महदी कों चली है हम
से औघट॥ काफ़ कोल जो काफ किये थे गाफ़ गये फि
र टप से नट॥ वे वो साजो मांगा उस्से गई नाज से फेर न
प॥ ट॥३॥ लाम लगा कर वानों में अब सो यर है अप
नी कर खट॥ मीम मो हब्बत से नी वो ली हुस्ना इ एक ने रा

परघट॥ न्लनकरअबप्यारीहमसेनाहककाइतनारू
नूफट॥ वोहीहूंआशकतेरामेंक्योंचलनीहमसेओघ
ट॥ हेहाथसेचंगलियाऔरसिरसेतुर्रालियाफटपट॥
वैवोसाजोमांगाउस्सेगईनाजसेफेरपलट॥४॥ला
मअस्लफ़्लापीरनीअबतूसैयदकेआगेरखफट॥
खुदाबखशइस्लादजिन्होनेंतुर्रेकीमारीफरपट॥फ
रूखनगरकेरहनेवालेसदारहेहैंनटऔरखट॥नूम
रहटीक्यागाजानेहैगवारतूखासाजट॥ ईयेपादर
खनासेपदकोऐसेज्ञानकामाएल५॥वैवोसाजोमां
गाउस्सेगईनाजसेफेरफलट॥६॥

॥ख्याल॥

॥१॥ सूनीहोगईमथुरागोकुलजलीनपैगमसेका
सी॥रावबहादुरलक्ष्मीचंदसेजबवैकुंठहुयेवासी॥
शोरपड़ागुल्जारजहांमेंबुलबुलहैंनालांसारी॥गुल
नेचाककियापैराहननरगिसहैहैरांसारी॥सर्वहैस
रनआहरसाकीकुमरीहैंगिरियासारी॥दागदारादि
लसंलालेकाहैखाकपैहैंगिलतांसारी॥भूलगयेगुल
जारमेंसारेकुबककहककहेऔरहांसी॥रावबहादुर
लक्ष्मीचंदसेजबवैकुंठहुयेवासी॥छोड़दियेमहदी
नेरंगसर्वअकड़नाभूलगये॥सिरदेमारासनोबरने
जुल्फोंकापकड़नाभूलगये॥जोमाशूकजहांमेंथेआ
शाकसेबिगड़नाभूलगये॥अफ़शांचुन्नेमाथेपर
संदलकारगड़नाभूलगये॥संबुलनेजुल्फोंसेअप
नेडालीगलेमेंहैंफांसी॥रावबहादुरलक्ष्मीचंदसेज
बवैकुंठहुयेवासी॥२॥देशदेशमेंमातमफैलाआ

गश्रागरेमेंचमकी॥कोइस्लजलकेहुईकोयलासरत सरतहैगमकी॥ हैदराबाद—और बंबईमें सदाहैदर दममातमकी॥अमृतसरकोदेखोतोइसगमसेदेख हिप्रासुमकी॥जलाजलंधरपिटियालाञम्बालहले कर और रहांसी॥सबबहादुरलक्ष्मीचंदसेजबवैकुंठ हुयेवासी॥३॥सूरजचांदफलिकऔरतारेसबगरद पामेंहैंश्राये॥सैयदश्रोखमुगलऔरअफ़गाइसगम सेहैंमुरझाये॥ हिंदूऔरमुसलमानसारेइसगमसेहैं घवराये॥जिसदिनरावबहादुरप्यारेबैकुंठोंकोहैंधा ये॥येसंवतउन्नीससेवाईससनवारेसेनेरासी॥रा वबहादुरलक्ष्मीचंदसेजबवैकुंठहुयेवासी ४॥

॥सवालजवावशाहजादेशमशाद॥

और गुल्फामशाहज़ादीके॥

शाहजादः) हमतोपरियोंकेशहावेमेंगिरफतारहे॥ क्याकहैंजानपेसोनरहकेआजाररहे॥(शाहजादी) तुमतोपरियोंकेमयेइश्ककेसेंसरशाररहे॥तोरेहमगि नकेयहांरातोंकोवेदाररहे (शाहज़ादः) जुल्फमेंतेरेफं सांदिलवहांजंजीरमेंपांउ॥हमतोसवनरहसेदोनो केगुनहःगाररहे॥(शाहजादी) तुमजोवहांसेकेहंसी नोंकोंकलेजेसेलगाओ॥किसनरहसेनभलादिलके मेरेख्वाररहे॥(शाहज़ादः) थीनदमभरकीजुदाईभी गवारातेरी॥क्याकरेंहम किवहांकेदमेंलाचाररहे (शाहजादी) यादतोकाहेकोमेरीकभीआईहोगी॥ आपतोऐसमैंभूलेहुयेघरवाररहे॥(शाहजादः) मुझकोंराजानेजहांयादरहीहोकिनहो॥हममगर

खंजरेफुर्कतसे दिलअफ़गार रहै॥ (शाहजादी) रा
लतथकी जो वह परियोंका सहाबा देखा॥ हमसे दो दि
नमें वह वानेन वहइकरार रहै (शाहजाद:) आपकी
आदत यहनहीं दिल जिधर आया आया॥ हूर जिन्न न
भी उनरआये तो इनकार रहे॥ (शाहजादी) मुहमें क्यों
करकहूं पानी नभरआया होगा॥ आपसवन रहसे
वहां परियोंके मुखतार रहे। (शाहजाद:) ने रीन जरे
से गिरे यार जो देखा उहो उधर॥ जुल्फ मुश्कीं को छुआ
होनो खनावार रहे (शाहजादी) जस घटा पेशानज
र आपके परियोंका रहा॥ दिलगवाही नहीं देता है
किरीने दार रहैं (शाहजाद:) में तो मुहतसें नेरे दाम
मुहब्बत में फंसा॥ दरअबक्या और किसीसे जो सरोका
र रहे (शाहजादी) ऐशा भी हदसे ज्यादा नहीं करना अ
च्छा॥ रुखपे दो रोज़ में सुर्खी के न आसार रहे (शाहजा
द:) नींदआखों से गई दिलसे गया सब्रो करार॥ ऐ
शक्या हमनो वहां जान से वेजार रहे (शाहजादी) पू
छता कोन नकरनी में आपकी चाह॥ आपभी मेरे तसद्दु
कमें मतेमार रहै (शाहजाद:) फ़ंफ़देना हक्के उर्न
हने तो दीये वाहजी वाह॥ यह न पूछा कहो अच्छे हो दि
वीमार रहे॥ (शाहजादी) जाईये जाईये हम कूं न वस
अवहा ख्यलगाओ॥ वो लिये विहमे कि जिसा जिस्से
वहां प्यार रहे॥ (शाहजाद:) वांहें गरदन में तुम अव
डालदो ऐ भैरों सिंह॥ उम्रभर हमको मुहब्बत येस
ज़ावार रहे॥ (शाहजादी) हैदुआ दिल से यही रात दि
न ऐ भैरों सिंह॥ खांगियों पर मेरा खालिक वहमदद

गाररहै॥२॥

॥सवालजवाबशाहज़ादेगुल्फाम॥
॥औरसब्ज़परीका॥

सवालसब्ज़परी) केहरथाहिज्रकयामतथीजुदाई
तेरी॥मेरेख्यालिकेमुझेशक्कदिखाईतेरी॥(जवाबश
हज़ाद:) खाकहैमुंहपैमलीबालहैंसिरकेविखरे॥ह
यइसइश्कनेक्याशक्लवनाईतेरी॥(सब्ज़परी)
मुझपैदोनाथाजोकुछहोगयाइस्कानहींग़म॥होगई
कैदमुसीबतसेरिहाईतेरी(शाहज़ाद:) तुमेरेआगे
निकालीगईथीनोचकेपर॥राजातकफिरहुईकिस
तरहरसाईतेरी॥(सब्ज़परी) बनकेजोगनहुईइंदर
कीसभामेंदाखिल॥फिरमुझेचाहयहांखींचकेलाई
तेरी॥(शाहज़ाद:) कहकेराजासेमुझेकिसनेतुझेदि
लवाया॥हुशमनेंजांथीमेरीजानखुदाईतेरी॥(स
ब्ज़परी) गाकेऔरनाचकेराजाकोरिझायामैंने॥नव
मुलाक़ातमअस्सरमुझेआईतेरी(शाहज़ाद:) ज़र
कानालबनहुईमुजकोलियाराजासे॥अबयारफ
लेगईथाहीपेगदाईतेरी॥(सब्ज़परी) देवकंवरख्व
नेइसज़ोरसेपहुंचापकड़ा॥होगईलालनिज़ाक़त
सेकलाईतेरी॥मरज़ेइश्कनेसारानेराजोबनलूटा
आधीसरतबखुदामैंनेनपाईतेरी॥(सब्ज़परी) कै
दनेकरदियाबीमारसेतुजकोवदतर॥घरमेंले
चलकेकरूं ग़ौमेंदवाईतेरी(शाहज़ाद:) पिंडलियां
सजीहैंतलुओंमेंचुभेहैंकांटे॥खारदेतोहैमुझेविर
हनेपाईतेरी॥सब्ज़परी) मुझकोईज़ा- जोहुईपायो

याकेसदकेसेहुई ॥ जानअल्लाहनेगुलफामवचाईते
री (शाहजादः) मैंनेरेहाथलगानमेरेफंदेमेंफसी ॥ मे
रामतलवकुछआउस्मेदवरआईनेरी ॥ सब्जपरी (हेनम
न्नायेमेरेदिलमेकिअवहशरतलक ॥ फज्लउस्नाद
सेदेखंनजुदाईनेरी ॥ ५ ॥

॥ कहानी ॥ ९ ॥

एकपुरुषअपनीससुरालकोजाताथारास्तेमेंएक
स्त्रीजोतालावपरपांउधोरहीथीउससमयउसपु
रुषनेयहदोहाकहा ॥

सागर पांउपखारतेंनानेवरडिगजाय ॥
जिनकीहोतुमगोरडीकेसे रैन विहाय ॥

यहदोहासुनकरउसकेउत्तरमेंस्त्रीनेयहदोहापढ
सुनाया ॥

ह्यारोवालमचूनियामामापासकमाय ॥
पैटभरेऔरपडरहेह्यारोजोवनयोंहीजाय ॥

इतनीवातेंसुनकरमर्दनेयहसवालकियास्त्रीसें ॥

रूपेतोयमदायदूं औरसोनेदूंजडवाय ॥
महलवनादूंकांचके कभीहोयहमारीनार ॥

इससवालकाजवाव औरतनेयहदिया ॥

अंवरकेतारेडिगेऔरधरतीडिगमिगहोय ॥
पानीकेदीपकजलैंतवनारविरानीहोय ॥

जवऔरततलावसेअस्नानकरघरआई ॥ तोदेखती
थाहैकिवहीपुरुषघरमेंआयाहै तवतोइसनेअप
नीभावजसेपूछाकियहकोनहैऔरकहांसेयहआया
है ॥ ॥ दोहा ॥

मूछमुछंदरगावरू औरनीलीकाअसवार॥
कुनकाछैयहपांउनाओरकुनकाछैलिनहार॥
भावजनेननदकोयहउत्तरदिया॥
मूछमुछंदरगावरूओरनीलीकाअसवार॥
म्हाराछैयहपाउनाओरथांकाछैलिनहार॥
जबस्त्रीओरपुरुषदोनौरात्रिकेसमयएकसिज्यापैसो
येतबभावजनेननदसेयहदोहाकहा॥
ननदुलनाथारीपायलवाजनीनानेवरूनकार
मैंतुझेपूछूंएसखीतुममैंकौनसाभयागंवार॥
यहदोहासुनकरननदनेभावजसेयहदोहाकहा॥
पायलहैंम्हारीवाजनीनेवरकीरुनकार॥
मैंमुखसैंकैसेंकहूंआओवेलमुझेमार॥
यहओरतकादोहासुनमर्दबोला॥
कुछपतलीकुछपातलीअत्रटकाभरखाय॥
मैंतोडरप्योआपकुंसोकहुंमसकतहीमरजाय
तबओरतनेअपनेपतिसेयहदोहाकहा
वालमजानिनिसंखत धनपतलीमनजान॥
मैंकमानमुलतानकीनृचहिचहिगोशेतान॥

॥कहानी॥

एकआदमीसैरकरताहुआवाजारमेंजाताथाअचा
नकउसकीदृष्टिएकमकानकीखिडकीपरपडीतोदे
खताक्याहैकिवहांएकवहुतखूवसूरतओरतवै
ठीहैजैसेंहीइनदोनोकीचारनज़रेंहुईवैसेहीइस
नेयहकहा॥
नेककीअनूपरूपचांदकीचंद्रावली॥

नैननेरेम्रगकेसेसीसक्योंनगुथावरी॥
इननासुनकरकेंवहांसेऔरतनेजवावदिया॥
श्यावासपंछीखूबकहीनैंनाकवाहोनीरहो॥
मेंकिससखीसेजाकहूंदालहीसेसीरहो॥
फिरउससेऔ॥रतनैंननदसेकहा॥
नंदभोरीननदवारीवीरकौसमझायरी॥
यहपहुपकासाफूलमेंएभराजोवनजायरी॥
इसकाउतरननदनेंभावजकोयहदिया॥
वीरभोरोवीरवालकवीरचंचलजीवरी॥
तूदिनाचारकौढीलखायहखींचवाहैनीररी॥
भावजनेइननीवातसुनकरनंदकोजवावदियो॥
धीरधरैचीरंफाटकेवडाकुम्हलायरी॥
पहुपकासाफूलमेंएअभीजोबनजायरी॥
जवनंदसमझानेसमझानेहारगईऔरदेखाकिस
वयहभावजकहानहीमाननीहैतवअंतकोंभावज
सेननदनेयहकहा॥
सारसुरमालगामहदीवाजारमेंरमजायरी
तूअछासादेखगवरूमारक्यौंनाखायरी॥
॥काहानी॥
एकविराहणीस्त्रीकामसेवाकुलहोकेगिरपडीना
समयज्ञानबरउस्कादेहनोचकेखानेलगेतवउस
नेयहदोहापढा
कागासवतनखाइयोचुनचुनखैयोमास॥
दोनैनामतखाइयोपियामिलनकीआस॥
॥कहानी॥१॥

किसीराजाकीसभामेंएककविज्ञाकेचुपचापवैठरहा, इसमेंकोईराजसभामेंसेवोला, किआज क्याहैजो, कविजी तुममौनगहेवैठेहो, इसनेउसकीवातकाउत्तरतोनदिया परयहदोहापढा॥ अतिकाभलानवरषना अतिकीभली नधुप्प॥ अतिकाभलानवोलना अतिकीभलीनचुप्प॥ इसकेसुनतेहीउसनेभीइसदोहेकोंपढसुनाया॥ कोन चाहेहैवरषनाकोनचाहेहैधुप्प॥ कोनचाहेहैवोलनाकोनचाहेहैचुप्प॥ फिरकविनेयहदोहाकहसुनाया॥ मालीचाहैदरषना धोवीचाहेधुप्प॥ साहजोचाहेवोलना चोरजोचाहेचुप्प॥१॥

॥कहानी॥

एककाय्यथ आनचद घोडेपरवैठाहाटमेंचलाजाताथा किसीघुडचढेनेउसेमेरकीसेभीपीछेहटावैठादेखके कहाभैयाजीकुछआगेहटवैठो॥ वोलाक्यों॥ कहाआसनखालीहै॥ फिरउसनेउत्तरदियाक्यातुम्हारेकहेसेंहटवैठेंगे॥ जैसेंसाईसनेवैठादियेहैंतैसेंवैठेचलेजातेहैं॥ २॥

॥कहानी॥

एकवनियांजोखटलाताथासोनित्यकानिस्पभूखेप्यासेकंगालोंकोवांटदेताओरनिहंगलाडलाहोरहता॥ एक दिनउसकेवडेभाईनिपांवचारपडोसियोंकोविठायउससेकहाकिभाईजीहममहाजनहैंहमेंपूंजीराखव्यौहारकियाचाहियेइसप्रकारवेठोरठिकानेंदियाकरैतोहमारीमहाजनीकेसेरहे, उत्तरदिया, भाईजीक्यातुमनेंयहदोहाभीनहींसुनाजोऐसीवातकहतेहो ॥दोहा॥

सबसेविद्याअनूपहैदियाकरोसबकोय॥
घरमेंधरानपाइयेजोकरदियानहोय॥३

॥कहानी॥४॥

एककवीश्वरअपनेशिष्यकोंसाथलेकिसीनगरमेंक
माईकेलियेगया॥औरवहांकेधनीलोगोंसेमेटकर
केंकईवरसविसठौररहा, परकुछउसेलाभनहुआ
क्योंकिवहांकेलोगअपनीमूर्खतासेइसकेगुणको
नसमझे॥तवउसकेशिष्यनेयहदोहाउसकेसोंहीं
पढा॥ जहांनजाकोगुनलहै तहांनताकोठांव॥
धोवीवैठकहाकरैदीगंवरकेगांव॥
उसकेउत्तरमेंगुरूनेभीयहदोहाकहसुनाया॥
जहांनजाकोगुनलहैतहांनदुखसुखवान
वनमेंनजमुक्तानकोंपहरतगुंजकिरान ५

॥कहानी॥५॥

वनारसमेंएकचौवेनेकिसीस्थानपरकितनेएकवि
द्यार्थियोंकोहिलहिलकरपढतेदेखकिसूपंडितसे
प्रश्नकिया॥दो॰॥झुकनझुकतविद्यार्थीकहाबूढेकहा
वार॥मैंनोहिपूछोंहेसखेयाकोकोनविचार॥१॥उ
तरदिया॥आगेसमदअगम्यहैअपनेवैठकरार॥
रतनसेनकोंझुकनहैंफिझकतदेखअपार॥५॥

॥कहानी॥६॥

एकखतरानीनवयौवनासुंदरीचतुरचरपरीवसंत
ऋतुमेंअपनीवहनेलीकेयहांगई॥औरकुछइधर
उधरकीमनलगनवातेंकररहीथी॥किप्यासीहुई
औरपानीमांगा, इसकीउसमुंहवोलीवहननेकोरे

कुल्हड़ेमेंभरकरलादिया॥जोइसनैंमुंहलगाकरपी
यातौकुल्हड़ाहोठोंसेलगरहा॥यहखिलखिलाकर
हंसीऔरइसदोहेकोपढ़नेलगी॥दो॰॥रेमांटीकेकु
ल्हड़ातोहेडारोंपटकाय॥होठरखेहैंपीउकौंतूक्यों
चूसेंजाय॥यहदोहासुनउसकीवहनेलीनेकुल्हड़े
कीओरसेउत्तरसोंदिया॥लानसहींमूकीसहींउल
टेसहेकुदार॥इनहोठनकेकारनेसिरपरधरेअंगा
र॥ ॥कहानी॥७॥
कोईपुरुषकिसीपरमोहितथा॰परमारेलाजकेअ
पनाप्रेमउसकेआगेप्रगटनकरताथाऔरजिसप
रमोहितथा॰वहभीजानबूझकरलाजसेकुछनक
हती॥एकदिनवेदोनोंकिसीठौरपररातकोंवैठेथे
किएकपतंगदियेपरआजला॥उसकोंजलतादेख
नायकनेव्यंगसेयहदोहापढ़ा॥दो॰॥आहिदईकेसे
भईअनचाहतकोसंग॥दीपककेभावेंनहींजलज
लमरेपतंग॥इसकेउत्तरमेंनायकनेभीयहदोहाक
हसुनाया॥आवपतंगनिसंकजलजलतनमोड़ो
अंग॥पहलेतोदीपकजलेपाछेजलेपतंग॥७॥
॥कहानी॥८॥
सूरजमहलकेसमयमेंकिसीमुसलमाननेठट्ठेसेए
कजाटसेकहा॰अवेजाटवेजाटतेरेसिरपरखाट
उसनेकहा॥अवेमियांवेमियांतेरेसिरपरकोल्हू
यहवोलातुकनमिलीउसनेउत्तरदियाकितुकन
मिलीतौकहाभयौअरेमेरोसारोवोभनतोमरेगो॰
॥कहानी॥९॥

एकवनियांअपनेवेटेकोंव्याहनेवरातलियेनगर
सेंपरनगरकोजाताथा॥ वाटमेंएकजंगलमिलाउस
मेंकहींडाएँवांएउसकाभाईझाडेफिरनेगयागे देवी
उसेवाघखागया॥ इसमेंअवेरजोहुईतोवनियाअप
नेमनमेंयहसमझाकिसीदिनलेनवारेनेकहाचितमे
रेभाईकोंवैठारखाहै॥ लग्नराजनामाखानेकीवही
देखने,जवदेखतेदेखतेउसमेंकिसीकादेनालेना
नहीठहरातवघवराकेजंगलकोंढूंढनेचला॥ किन
नीएक — दूरजायदेखेतोएकवाघसेटाहुआहैऔ
रइसकेभाईकाहाडचामआगेपडाहै,यहदेखतेहीं।
वोला,सुनतोअनतकेऊतनतेराम्हारेखानेमेंनाम,न
रोजनामेमेंतूनेमेरेभाईकोकिसलेखेसेमाररवाया
वहहूंककरकेघुरका,तववनियांयहकहरोतापी
टताफिरआयाकिहूंहाइसलेखेसेखायातोठीकहै॥

॥ कहानी॥१०॥

एकजनेकीभैंसमरगईवहलगारोने॥ इसमेंउसके
एकपडोसीनेंआकरपूछाकिभाईतुमक्योंरोतेहो॥
वोलामेरीभैंसमरगईजोसारेकुनवेकोपालतीथी
यहवोलाभाईधीरजधरो,हमेंतुम्हेंकालेधनसेंल
हनानहीं॥ उसनेपूछातुम्हारेक्याटोटाहुआ,उतर
दियामेरेभीपकानेकीहांडीफूटगई॥ इसवातकेसु
नतेहीवहविचाराहंसकेवोलाकिहांभाईसचकहते
हो॥

॥कहानी॥११॥

एकदिनतुलसीदासगुसांईवनारसमेंकिसीठौरपै
वैठेथेकिएकनखडफकीरनेंआकरकहा॥ अनख

उसकेउत्तरमेंतुलसीदासनेंयहदोहापढसुनाया॥
हमेंलखहमारलखहमहमारकेबीच॥तुलसीअ
लखैकहालखिरामनामभजनीच॥इसदोहेकोसुन
वहमारेलाजकेनिरउत्तरहोचुपचापचलागया॥

॥कहानी॥९२॥

किसीनगरकेअमीरकाबापमरगया॥वहउसके
सोगमेंबहुतदुखितबैठाथा॥नगरकेसबलोगक्या
गरहस्तीक्याउदासीहिंदूमुसल्मानमिलकरउस
केयहांस्यापेकोगयेऔरबैठकरचलेआयेपरचार
जनाउसकोअधीरतादेखउनमेंबैठरहे॥वेनवा,वै
रागी,संन्यासी,औरजोगी,औरहरएकअपनेअ
पनेप्रकारकीकहावतकहचलाआया॥वेनवानेय
हकहावतकही,दीदहुनियांकीदमबदमकीजे॥कि
सकीयादीऔरकिसकागमकीजे॥वैरागीनेयह
कहा॥साधोंयासंसारमेंसभीबटाऊलोग॥काको
करैंमनावनौंकाकोकीजेसोग॥संन्यासीनेंयहक
हा॥आयेहैंसोजांयगेराजारांकफकीर॥एकसिं
हासनचढचलेदूजैबांधेजाततजंजीर॥जोगीनेयह
कहा॥जोगीथासोउठगयाआसनरहीभभूत॥

॥चुटकला॥१॥

॥१॥एकवहराकिसीबीमारकेब्योरेकोचलारास्ते
मेंसोचनेलगाकिमेंरोगीकेसिराहनेंबैठंगाउससे
पूछूंगाक्याहालहैवहकहैगाआनंदहैफिरपूछूंगा
खानाक्याखायावहकहेगाखिचड़ीखाईहैफिर
पूछूंगाइसलाजकिसहकीमकाहैवहकहैगा ८

फलानेकाजवरोगीकेघरपरआया सिरहानेवैठग या ॥ संयोगवसरोगीउसदिन दुःखित औरदुष्टस्व भावमें था पूछाकहो क्याहालहै कहनेलगा मरताहूं कहा परमेश्वरकीकृपासे ॥ फिर पूछा खाना क्याखं याकहा ज़हर कहापीजिये फिर पूछा इलाज किस काहै कहा जमदूतों काकहा उसका आना कुशलदा ना हो ॥

॥ चुटकला ॥ २॥

॥२॥ एकवलायतीगेवारपारसमेंजाकर दौलत मंदहोगया रूपैयावहुतसा पैदाकरकैंसफ़ी कि कि सीसरदारकीलडकीसे अपनेवेटेकीसगाईकरिये यह इरादा अपने दिलमें पक्काकरके एकसरदारके यहांजाकरउससेइसवातकीचाहना की कितुम अ पनीदोनोंलडकियोंमेंसे एकमेरेवेटेकोव्याहदो उसनेअपनी टहलनीकी दोनोंलडकियोंको दिखा करकहा कितुम कोनसीलडकीचाहतेहो वहनो वावरचीखानेमैंवैठीकामकररहीहैयावहजोव रतनधोरहीहै ॥

॥ चुटकला ॥ ३॥

॥३॥ एकफकीरने किसी मालदारकेयहांजाकर कहा किमैंनेरातकोंतुम्हारे पिताकोंस्वप्नमेंदेखा था उन्होंने मुझसेकहाहै कललडकेहीं तूमेरेवेटेके पासजाइयो वह तुझे पांच ५) रुपये देगा मालदार नेजलकर कहा किमुझसे वहस्वप्नमेंयहकहगये हैं विनोरही एकफ़कीरआवेगा उसेपिटवाकर ।

निकलवादेनाफकीरनेकहावहभीकितनाद्दुराचा
रीमनुष्यहैमुझसेकुछकहाऔरतुमसेकुछ॥

॥चुटकला॥५॥

॥५॥एकदिनकिसीख्वाजेसरानेवादशाहसेवीर
वलकीचुगलीकीऔरकहाकिऐसेनास्तिककोंमु
हलगानावादशाहोंकोंयोग्यनहींवादशाहनेकहा
उसके शीघ्रउत्तरदेनेपरमेंउसपरअधिकअनुग्र
हकरताहूं ख्वाजेःसरानेकहाउससेकोईकठिनप्र
श्नकरनाचाहियेजिसकाउत्तरवननआवै॥जिस
सेवहहारजायगा॥वादशाहनेकहाकिदोतीनप्र
श्नविचारकरख्वाजःनेप्रार्थनाकीप्रथमःवीचावी
चएथ्वीकाद्वितीयःताऐंकीसंख्यातृतीयःगिनती
स्त्रीलिंगवपुर्षलिंगयहतीनप्रश्नवीरवलसेकीजे
डो. हीवानवीरवलकेवुलानेकोगया॥वीरवलनेपू
छाकिमहाराजकेसमीपइससमयकोनहैहारपा
लकनेख्वाजःसराकानामलिया फिरवीरवलसमु
खआया॥औरतीनोंप्रश्नसुनकरअंगीकारकि
या॥कितीनदिनमेंइनकाउत्तरदूंगातीसरेदिनए
कखूंटागाढदिया॥औरकहाकिएथ्वीकावीचम
वीचयहीहै जिसेसंदेहहोवहनापले॥औरमेंढे
कोदिखलाकरकहाजितनेइसकीदेहपररोमहैंउ
तनेहीआकाशमेंतारेहैं कुछसंदेहहोतोगिनलीजै
वादशाहनेकहादोप्रश्नोंकेतोतुमनेउत्तरदिये किंतु
तीसरेप्रश्नकाक्याउत्तरहैउसनेकहाम गलेखाठी
कनहीआता॥क्योंकिपुर्षोंमेंपुर्षगिनेऔरस्त्रीकों

स्त्री संज्ञा में परंतु यह वर्ण शंकर खोजे दोनों पुरुष व स्त्री संज्ञा में गिने जाते हैं वना औ इनको किन में गिनूं जो यह मरवाड़ा ले जावैं तो ले खा ठीक वैठ जावै ॥

॥ चुटकला ॥ ५ ॥

॥ १ ॥ एक छोटे लड़के की जूतियां खोगईं तमाम घर ढूंढा कहीं पता न लगा निरास होकर अपने पिता के पुस्तकालय में से एक कोष की पुस्तक निकाल कर पन्ने देखने लगा उसके पिता ने देखि कर कहा वेटा तुम इसमें क्या देखने हो उसने उत्तर दिया कि मेरी जूती खो गई है उनको ढूंढता हूं ॥ उसने कहा इसमें तुम्हारी जूती कहां रखी है ॥ लड़के ने कहा तुम को जिस वस्तु की चाहना होती है कोश में से मिल जाती है तो क्या आश्चर्य है जो मेरी जूतियां भी इसमें मिल जावें ॥ ४ ॥

॥ कवित्त ॥ १ ॥

॥ १ ॥ भाई किये प्यारे जमाई किये प्यारे सारे घर रखवारे किये कछु न डुरायो है ॥ माय ते लड़त पाय सासके पड़त निज नारी के कहे में फिरत अनुसायो है ॥ पिता संग लजावें वोल गुरुन ते पलट जावैं ऐसे जन देख उर महा अकुलायो है ॥ कीजिये सहाय जू कृपाल श्री गोविंद लाल कठिन कराल कलिकाल चरि आयो है ॥ १ ॥

॥ २ ॥ भाई तो वदोही हैं प्रोहित जे लंपट हैं तात मात वेदा वेटी वेच धन खायो है ॥ कुलवधू भूखन मरें कुलटा सिंगार करैं कन्या कुवारिन पै चित्त ललचा

चायो है ॥ पानी भरैं ननद जिठानी सासपी से पवै वहू
आपनो हुकम हू चलायो है ॥ कीजिये सहाय जन कृपाल
श्री गोविंदलाल कठिन कराल कलिकाल चढि आयो है।
॥३॥ एक की सगाई करैं ताकुं पुन दोष धरैं धन लेकें मो
र सिर औरकें वधायो है ॥ सबल की सब कहैं निबल॰
कूं देनो टहै विन अपराध ह्नी गरीब कुं सतायो है ॥ ऊंच
न सों नातो नोर नीचन संग नाकरै कोडी काज नीचनी सें
नानो भांति भांति करि बनायो है ॥ कीजिये सहाय जन कृ॰
पाल श्री गोविंदलाल कठिन कराल कलिकाल चढि॰
आयो है ॥३॥ प्रभु चरनाम्रत प्रसाद को कहूं न नेम भां
ग और आफू सभी ने खायो है ॥ व्यास वाल्मीक सर
तुलसी की वानी तजि आल्ह प्रथीराज की कुसुनन सु
खपायो है ॥ गादी बैठ भ्रष्ट उपदेश करत विप्रन सों॰
विप्र हरदेव छांड़ि और देव धायो है ॥ कीजिये सहाय जन
कृपाल श्री गोविंदलाल कठिन कराल कलिकाल चढि
आयो है ॥४॥
॥५॥ काहे को रूप सरूप दियो और काहे को अंक लि॰
खे वह माई ॥ सास निपूती को पूत जो मरियो और माय
निगोडी ने काहे कौं जाई ॥ बाबुल पै विष खाय मरूं जु॰
व वारे से कंथ कुं काहे कुं व्याही ॥ छांडदऊं या ब्रज को
खसबो यहां पानी में आग लगावैं लुगाई ॥५॥
॥६॥ कोऊ लीने छत्र कोऊ चौंर कर लीन्हे कोऊ छांह
गिर लीन्हे कोऊ दांव न सकेलनी ॥ कोउ पान दान पी
कदान कर आरसी लै अतर गुलाबन की सीसी सीसे॰
मेलती ॥ बोध कवि कोऊ बीन बांसुरी सितार लीन्हे

लाड़लीलड़ावैं गेंदफूलनकी झेलती ॥ छोटेब्रजराज।
छोटीरावटीरंगीननामैं छोटीछोटी छोहरीसहीरन
कीखेलती ॥ ६ ॥

॥ ७ ॥ बागकेवगरअनुरागभरीखेलेफाग बालअल
बेलीमनमोहनीगुपालकी ॥ कालदासललितललो
हेछबिझलकतनथसुकान्हकेकपोलनकेभालकी
राजकरोचंद अरुविंदनें औजे काजेदेखवेकोंवा
कीछबिवदनरिसालकी ॥ वरुनीपलकपरभृकु
टीतिलकपर बिथुरीअलकपरझलकगुलालकी॥
॥ ८ ॥ सजिकेंसिंगारचारमोतिनसंभारवारहीरन
केहारजगमगातद्युतियारीमैं ॥ मोदमदमातीम
नमोहनमिलनकाजआईथीमंदिरलोंजोवनउजा
रीमैं ॥ पायोनाप्रवीनपीयनीकेकैनरायनजूलागी
दाहदहनउपायकरहारीमैं ॥ काइलसीहोयललगीप
यलउतारवेकों घायलसीगिरीवाउनायलआरा
रीमैं ॥ ८ ॥

॥ ९ ॥ इक तिलहोतत्रियाकेमुखपरदूनोतिलसुं
दरसुघराना ॥ सेदरपनमुखदेखनलागीजोति
लतो पियकेमनमाना ॥ खिलवतमेंमुखचूम्योपि
यनेंसोतिलतोदंतारलगाना ॥ हैहैकरैधुनेसिर
अभाइहविधमुखसेकागउड़ाना ॥

॥ १० ॥ फूटगई हीराकीविकानीकनीहाटहाटकाहू
घाट मोलकाहूवाटमोलकोलयो ॥ छूटिगईलं
काफूट मिल्यो जो विभीषणहे रावनसमैनवंस
आसमानकुंगयो ॥ कहेकविगंगदूरयोधनसे।

छत्रधारीननकके फटैतेतगुमानवाकोरहगयो॥फू टेतेनरदईठेज्ञानवाजीचोपरकीआपुसकेफूटेकहु कोनकोभलोभयो॥०॥

॥२१॥कहूरताजलोंभिस्तुकलाजलोंवीनआवाजलों लाबरदेवा॥फूसकेमाससेंफूसकोतापवोभूतको जापनोझांफरीखेवा॥हेभगवंतइतैनहिकाम केरामकेनामकेहोंहिन लेवा॥साधुकोलूट नोधर्मकोछूटनोधमकोघोटनोसुमकीसेवा॥

॥२२॥एकसमैंबालहूनेपुत्रकेविरूधकेकाजरा वनकुंबांधिलियोसंगदकेभुवनमैं॥एकसम यरावणनेंतीनौंलोकजीतिलियेत्रिभुवननाथ॥ नाकीवामहरीवनमैं॥एकसमैंहंनूमांनलंकाव कोंप्रचंडआयेएकसमेंरावणकाखेतपड्यारनमैं ॥मनुष्यकीएकसमयरहितकैसे केसवदेवस रजकीतीनसमैंहोनएकदिनमैं॥

॥२३॥विद्यानोकूहरहोतपरमहंसचूहरहोत कल्पवृक्षथोहरहोतहोनपरपाटीको॥भपनो मंगयदोतठंठकामधेनुहोनहोनहैंगयेंद्रचेला चित्रचेटीको॥पुण्यकियेपापहोनवैरीनिजबाप होतसर्पसांटीको॥मलशम्सेरहोतनिर्धन॥ कुवेरहोनदिननकेफेरतेसुमेरहोतमांटी को॥२३॥

॥२४॥रीझियेनरूपदेखराखियेमनआपनेहाथ नाहकआनहोतरोगकाहेकोलगाइये॥काहूसेन कीजैप्रीतिप्रीतिकीहैकठिनरीतिदूरसेतमासादेख

मनकों रिझाइये॥ प्रीतिकी है यही रीति दोनो ओर रहो पर्च
ह एक ओर प्रीन कहो कैसे कर निवाहिये॥ नरश्रीरना
रीखासामह बूवहोय आपकुं न चाहे वाकि वापकुं न चा।
हिये॥२५॥
॥२५॥ एकवार वोसेजा सोंवोलियेहजार वार वाकीस
तसंग वैठ प्रेमरस पीजिये॥ देही ही चलै वा सों टेटो ही
हजार वार वाका नाम भूलक भूसुपने हूं न लीजिये॥ ए
कवार होय वारही जिये समझाय वाकौ गुमान भरा न
वोले तो वाकौ कहा कीजिये॥ नरश्रीरनारी खासा मह
बूवहोय आपकों न चाहै वाके मोंथे धूरदी जिये॥
॥२६॥ आजके जमाने हम सव हीलो गजाने आपने होगये
बिराने कहो काकी सरन गहिये॥ दोष न हीं दोसत कों रे
प आपने कर्मन कुं भरम कूं गवाय वात काहूं सों न कहिये
जवतलक कृपा न करैं दीनानाथ दोचार दिना जवतक
ऊंचनीच सवका हूकी सहिये॥ हारिये न हिम्मत विसा
रियेन हरनाम जाही विधि राखे राम वाही विधिर हि
ये॥२६॥
॥२७॥ कभूं हूं को भूषे अति रूषे सीटूक विन कभू कों भूष
न सुधार सो ढ़ वाहिये॥ कभूहूं को साज लाय गज वाज
पायक भूकौ पाय प्यादे दौर दुख सहिये॥ कभूं को आ
पुन कों देखन को सव आवत है कभूं कौं आपहू सरन जा
हिग हिये॥ आने अभिराम जाहि अज्ञानी कविराम क
हैं जा विधिराखे राम त्राही विधिर हिये॥२७॥
॥२८॥ आजको जमानो सव हीं मिल जानो आपु आनते मैं
विराने तब पांचका केग हिये॥ दोष न हीं दोसत कों

दोषअपनेकर्मनकोंमनअपनेकीविथाकाइूसोनकहि
ये ॥जवलगदीनानाथकृपाहूनकरैंनेकतवलगऊंच
नीचसवहीकीसहिये ॥हारियेनहिम्मतविसारियेन
हरनामजाहीविधिराखेरामताहीविधिरहिये॥२८॥
॥२९॥पौरिकेकिवारदेतघरेसवैगारिदेतसाधुन
कोंदोषदेतप्रीतनाचहतहै ॥मांगनेकोंज्वावदेतवा
तकरैंरोयदेतदेतलेतभांजिदेतऐसेंनिवहतहैं ॥
वागेकेवंददेतवारनकीगांठदेतपरदनकीकांछदे
तकाममैंरहतहैं ॥ऐसेसपैसवैतोकहैंलालाकछु
देतनाहीलालाजतोआठोजामदेतहीरहतहैं॥२९
॥२०॥आगनवचावैशुभवचनसुनावैवेदभेदमतिलावै
औरुकंठसुभताईहै ॥चूकेनचुकावैजियअपनोपर
लावैसोईकविताकहावैजामैंएतीफविताईहै ॥जान
तसुजानजेअजानकहाजानेभेदयानेकविराजनके
राजनवताईहै ॥कोटिकोटिग्रंथनकोअंतरजनावै
तकस्यावैअनूठीतोलौंकूठीकविताईहै॥२०॥
॥२१॥रघुवीरधरैंपांववैठेजोधावलवानानलनी
लजांववानछविअंगदजवानकीमरकटकटकसर
सामनसटकजहांफ़ोजनकेठठवानकाहूकीनमा
नकी ॥वोलेवजरंगविशालसुनोदीनन्दयालस्व
र्गलोकभूपातालसुधिलाऊंतीनोंजामकी ॥वीरकौ
कुदानमानोगोलाअसमांनरामवानकंसमानसौ
कुदानहनुमानकी ॥२२॥

॥कुंडलिया॥२॥

॥१॥वेदाऊदारतवापसंकरतिरियासंनेह ॥

बदाबदीहोतीरहोसोमोहिजुटोकरदेहु ॥ मोहिजुटो
करदेहिकिघरमेंचीजवस्तसबमेरी ॥ नहींकरोंजग
तमेंरखारलाजपतिजायगीतेरी ॥ कहैगिरधरकबिरा
यसुनोरेजीकेहेटा ॥ औरसमोपलटोघ्राथबापसों
झगेड़ेबेरा ॥१॥
॥२॥ विल्लीकहतीसिंहसंसोमेरोनेरोएकहीरंग ॥
औरएकगुणमोमेंअजबहैजोरहूंबस्तीकेसंग ॥ ८
रहूंबस्तीकेसंगभोजनमैंकरूंदहीके ॥ औरनोकों
वताद्यिहोरतमासेदेखरईके ॥ कहैगिरधरक
विरायसुनोरेवनकेरहिया ॥ औरदेमछुनपैताव
जीनघरचलीबिलैया ॥२॥
॥३॥ पनहीपहेदारहीसो भलोबनोहेसाज ॥ औ
रविनपनहीनकोऊलेगयोसोनोदोप्रातरंजवाज
वहहोप्रातरंजवाजकाजविन अपनोकीनो ॥ औ
रजेठमासकी धूपदुःखपानेहमकोंदीनो ॥ कहि
गिरधरकविरायरहीयहमनकीमनही ॥ लेगयो
पहेदारछोडगयोटूटीपनही ॥३॥
॥४॥ वैरीबंधुआवानियाज्वारीचोरलवार। विभ
चारीरोगीऋणीनगरनारकोयार ॥ नगरिनारिको
यारभूलपरनीतनकीजे ॥ सौसौसोहैंखायचित
एकौनहिदीजै ॥ कहिगिरधरकविरायघरेआवै
अनघेरी ॥ हितकीकहेबनायजानियेपूरोवैरी ॥४
॥५॥ विनाविचारेजोकरेसोपाछैंपछताय ॥ काम
विगारेआपनोजगमेंहोतहंसाय ॥ जगमेंहोतहंसा
यचित्तमेंचैननपावै ॥ खानपानसनमानरागरंग

मन हिन आवे ॥ कहैं गिरधर कविराय दुःख कछु टरत न टारे ॥ खटकत है — जियमांहि कियो जो विना विचारे ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥ वीती ताहि विसार दै आगे की सुधि ले ॥ जो वनि आवे सहज में ताही में चित दे ॥ ताही में चित दे वात जोई वनि आवे ॥ दुरजन हसे न कोय चित्त में खेद न पावे ॥ कहैं गिरधर कविराय यहे कर मन की रीती ॥ आगे को सुख होय समझ वीती सो वीती ॥ ६ ॥
॥ ७ ॥ साईं येन विरुद्धिये गुरु पंडित कवियार ॥ वेटा वनिता पौरिया यज्ञ करावनहार ॥ यज्ञ करावनहार राजमंत्री जो होई ॥ विप्र परोसी वैद आपको तपै रसोई ॥ कहैं गिरधर कविराय यहै कैसी समुझाई ॥ इन तेरह तें तरह दिये वनि आवे साईं ॥ ७ ॥
॥ ८ ॥ सांईं अपने चित्त की भूल न कहिये कोय ॥ तव लग मन में राखिये जव लग कारज होय ॥ जव लग कारज होय भूल कवहू नहि कहिये ॥ दुरजन ताते होय आप सीरे व्हे रहिये ॥ कहैं गिरधर कविराय वात चतुरन के ताईं ॥ करतूती कहि देत आप कहिये नहि सांईं ॥ ८
॥ ९ ॥ चिंता ज्वाल शरीर वन दा वा लगि लगि जाय ॥ प्रगट धुआं नहि देखिये उर अंतर धुंधवाय ॥ उर अंतर धुंधवाय जरै जो कांच की भट्टी ॥ जर गयो लोहू मास रहगई हाड की टट्टी ॥ कहै गिरधर कविराय सुनो हो मेरे मिंता ॥ वे नर कैसे जिये जाहि तन व्यापत चिंता ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥ राजा के दरवार में जैये समयो पाय ॥

साईंतहांनवैठियेजहांकोऊदेयउठाय ॥ जहांकोऊदे
यउठायवोलअनवोलेरहिये ॥ हांसियेनाहिहाथवात
पूछेतेकहियै ॥ कह॰ समयसोंकीजैकाजा ॥ अतिआतु
रनहिहोयवहुरआनखेदैराजा ॥९०॥

॥९१॥ कुनघनकवहुनमानईकोटिकरेजोकोय ॥ स
खसआगेराखियेतकुनअपनोहोय ॥ तकुनअप
नोहोयभलेकीभलीनमानै ॥ कामकाढिचुपरहैफेरिति
हिनाहिपिछानै ॥ कह॰ रहतनितहीनिर्भयमन ॥ मि
त्रशत्रुसवएकदामकेलालचकुनघन ॥९१॥

॥९२॥ जाकीधनधरतीलईताहिनलीजैसंग ॥ जोसंग
राखैहीवनेतोकरिराखअपंग ॥ तौकरिराखिअपंग
फेरफिरिकैसोनकीजै कपटरूपवनरायताहिकी
मनहरिलीजै ॥ कह॰ खटकजैहैनहिंताकी ॥ कोटि
दिलासादेउलईधनधरतीजाकी ॥९२॥

॥९३॥ साईंअपनेभ्रातकोंकवहुनदीजैत्रास ॥ पलक
दूरनहिंकीजियेसदाराखियेपास ॥ सदाराखियेपास
त्रासकवहुनहिदीजे ॥ त्रासदियोलंकेशताःसुकीग
तिसुनिलीजे ॥ कह॰ रामसोंमिलियोआई ॥ पायविभीष
णराजलंकपतिवाजोसाईं ॥९३॥

॥९४॥ सांईंवेटावापकेविगरेभयोअकाज ॥ हिरना
कुसअरुकंसकोगयोदुहनकोराज ॥ गयोदुहनको
राजवापवेटाकेविगरे ॥ दुशमनदावादारभयेमहि
मंडलसिगरे ॥ कह॰ उन्हैकाहूंनवनाई ॥ पितापुत्रकी
रारलाभएकौनहिसांईं ॥९४॥

॥९५॥ साईंनदीसमुद्रकोंमिलीवडौपनजान ॥

ज्ञानिनासभयो मिलतहीमानमहतकीहांन ॥ मानम
हतकीहानिकहोअवकैसेकीजै ॥ जलखारीह्वैगयो
ताहिकहोकैसेपीजै ॥ कह० कछमच्छनसकुचाई ॥
बडोफजीहतचारभयोनदियनकोसांई ॥

॥१६॥ सांईसनअरुदुष्टजनइनकोयहीसुभाव ॥
खालखिचावैआपनीपरबंधनकेदाव ॥ परबंधन
केदावखालअपनीखिचवावै ॥ मूंडेकाटिकेकूटि
येमककषाजनआवे ॥ कह० जरैआपनीकटाई ॥ ज
समेंगिरमर गयेतकछोडीनखुसाई ॥१६

॥१७॥ साईसमोनचूकियेयथाशक्तिजनमान ॥
कोजानैकोआयहैतेरीपौरप्रमान ॥ तेरीपौरप्रमा
नसमोअसमौतकिआवे ॥ ताकोतूमनखोलिअंक
भरिकंठलगावै ॥ कह० सवैयामेंसुधिआई ॥ सीत
लजलफलफूलसमोजिनचूकोसांई ॥१७॥

॥१८॥ सांईहरिऐसीकरीबलकेद्वारेजाप ॥ पहिले
हाथपसारकेवहुरपसारेपाय ॥ वहुरपसारेपाय
मनौराजानवनायो ॥ भूमिसवैहरिलई बांधिपाता
लपठायो ॥ कह० ॥ एवराजनिकेताई ॥ छलबलक
रिपरभूमिलितकोतपसोंसांई ॥१८॥

॥१९॥ सांईपुरपाल्यापस्योआसमानतेआप ॥ पंगु
हिअंधेछोरिकेपुरजनचलेपराय ॥ पुरजनचलेप
रायखंधएकमतोविचास्यो ॥ पंगुकंधपैलियोदृष्टि
वाकीपगधास्यो ॥ कहगिरधरकविरायमानन्है
चलियेसांई ॥ विनामते कोएजगयोराबणको
सांई ॥१९॥

२० ॥सोनालेने पियगये सुनाकरगयेदेस॥ सोनामिला
नपिय फिरे रूपाहोगये केस॥ रूपा होगये केस रूप सब
रोयगवांयो॥ घर बैठी पछिताय कंथ अजहू न हि आ
यो। कह० लोन बिन सबै अलोना॥ जब जोबन ढल०
जाय कहा ले करिये सोना॥२०॥
॥२१॥ मोती लेने पियगये खार समंदरतीर॥ मोतीमिलै
न पी मिलै नैनन टपकत नीर॥ नैनन टपकत नीर पीर
अब कासों कहिये॥ बीते बारह मास पिया बिन घर
ही रहिये॥ कह० सांकडारत सगनोती॥ जरजाओ व
ह सिंधु जहां उपजत है मोती॥२१॥
॥२२॥ हीरा अपनी खानकौं मनहीं मन पछिताय॥ गु
न कीमत जानी नहीं तहां बिकान्यों आय॥ तहां बि
कान्यो आय छेद कर हा सौं बांध्यौ॥ मीठो लगे न मास
लोन बिन फूहर राध्यौं॥ कह० ॥ धरैं कैसे कै धीरा॥
गुन कीमत घट गई यहै कहि रोयो हीरा॥
॥२३॥ सांई अगर उजार में जरत महा पछताय॥ गुन
गाहक कोई नहीं जाय सुबास सुहाय॥ जाय सुबास सु
हाय सुनो बन में कोऊ नाहीं॥ कै गीदड कै हिरन सु-
नो कछु जानत नाहीं॥ कहि गिरधर कविराय बडो दु
ख यहै गुसांई॥ अगर आक की राख भई मिलि एकै
सांई॥२३॥
॥२४॥ सांई हंस न आवहीं बिन सरवर जल पास॥
निर्फल तरवर तेउरैं पक्षी पथिक उदास॥ पक्षी प थि
क उदास छांह बिश्राम न पावै॥ जहां न प्रफुलित कम
ल भ्रमर तहां भूलि न आवैं॥ कह गिरधर कविराय

जहां यह बूरु बडाई ॥ तहां न करिये सांझ प्रातही चलिये सांईं ॥२५॥

॥२५॥ हंसा उडि दिस कों चले सरवा रमीनरुहार ॥ हम तुम कवहू भेटिहैं सन्देस न व्योहार ॥ सन्देस न व्योहार भलो पूछो जल रहिये ॥ जीव जंतु चिर जियो सदा-उतम फल लहिये ॥ कहि गिरधर कविराय कालिकी रही न मंसा ॥ देश्रसीसउड चले देस अपनेको हंसा ॥२५॥

॥२६॥ हंसा यहां रहिये नहीं सरवर गयो सुखाय ॥ जो रहिये तो सीस पर वगुला देहें माय ॥ वगुला देहें पाय कीव कोरे है जे हो ॥ लोक हंसाई होय कहा कछु इज्जत पेहो ॥ कह० ॥ मो हि इक यही है संसा ॥ याह्नते कछु घाट और भी होय है संसा ॥२६॥

॥२७॥ सांईं एकै गिरधरो गिरधर गिरधर होय ॥ हनुमान बहु गिर धरे गिरधर कहे न कोय ॥ गिरधर कहे न कोय हनू द्रोण गिर लायो ॥ ताको किनका टूट पर्यो सो कृष्ण उठायो ॥ कहिं गिरधर कविराय वडेनकी वडी वडाई ॥ थोरेही जस होय जेसी पुरुषन कों सांईं ॥२७॥

॥२८॥ नैना जव परवस परे उतम गुन सवजाय ॥ वे फिर फिर सीरी करें ये फिर रलपटाय ॥ ये फिर रलपटाय नेत्र वहु ऐं भरि आवें ॥ खान पान सुख लाग रात दिन ही दुख पावे ॥ कह० सुनो तुम श्रवननवैना लोग जु देंय कलंक परेजव परवस नैना ॥२८॥

॥२९॥ सांईं सुमन पलास पर सुआ रह्यो जो आय ॥

लालकली सींचौं च परमधुकरवैठनोजाय ॥ मधुकर बैठनोजाय सुआ ततकाल वचायो ॥ कोटिक टहल खपा यमरूक रिछूटन पायौ ॥ कह॰ वेग घर वजै व धाई ॥ रीजे विरापलास जियत घर रजे इयैसांई ॥२९॥

॥३०॥ साई ने सी तिलन सें कियो नेह निवाह ॥ छांटि फ टिक उज्जलकरि दई वडाई ताहि ॥ दई वडाई ताहि पंचय हसगरे ज्ञानी ॥ दे कोल्हू में पेर करी है इकतर घानी ॥ कह॰ मया की यही वडाई ॥ अमया सवतें भली मान मति मेरी सांई ॥३०॥

॥३१॥ सांई सुआ प्रवीन अति वानी वदति विचित्र ॥ रूप वंत गुन आगरे एमनाम सों चित्त ॥ रामनाम सों चित्त औ र देवन अनुराग्यो ॥ जहां जहां तू गयो तहां तूनी को सा ग्यो ॥ कह॰ सआ चूको चतुराई ॥ सेमल सेयो वृथा वि श्वास करि भूल्यो सांई ॥३१॥

॥३२॥ धोखे हारों के सुआ गयो नारि वर खान ॥ गम खा ई पाई सजा फिर लाग्यो पछतान ॥ फिर लाग्यो पछिता न वुद्धि सपनी कौ रोयो ॥ निरगुनियन के पास वैठि गु न सपनो खोयो ॥ कह॰ कहूं जे येन हि औ रखै ॥ चौंच खटक कैं टूटि सुआ दाडिम के धोखे ॥३२॥

॥३३॥ गदहा थोडे दिनन में खूंद खाय इत रात ॥ अ फरान्यो मारन कहैं ऐरा की के लात ॥ एराकी के लात दे त शंका नहि आने ॥ ऐराकी सहरहत ताहि को ऊ नहि जाने ॥ कह॰ रहै गी कवलौं डवहा ॥ ऐराकी की लात फेर कैसे सहै गदहा ॥३३॥

३४ मह आ नितउठ दाखसों करत मसलहत आइ ॥

हमतुमसखेएकसे हूजनहैरसराय॥ हूजेजतहैरसरा
यविलगजिनयाकौमानो॥ मधुरमिष्टहमअधिककछु
जियमैंजानों॥ कह॰ कहतसाहवसोंरहुआ॥ तुमनीध
चीकुलवेलवृक्षहमऊंचेमहुआ॥३४॥
३५॥ गुलतुर्रासोंजायकैंवादकरैजुकरील॥ हमतुमस
खेएकसेपूछदेखियेभील॥ पूछदेखियेभीलभेदजोजा
नेमेरो॥ तूहूपूछबुलायभेदजोजानेतेरो॥ कह॰ नातरहैं
करिहौंहुरो॥ अवजिनभूलगुमानकरैंफिरहौंगुलतुर्रा॥
॥३६॥ वगुलारूपटतवाजपैवाजरहैसिरनाय॥ कुलहा
रीनेपगवंधेखोटेदेफहराय॥ खोटेदेफहराय कहैजो
जोमनआवै॥ कुलहालेपगछोरिधनीविनकौनछुडावै॰
कह॰ अंरतूसुनखगवगुला॥ समयोपलटौजानवाजपै
रूपटैवगुला॥३६॥
३७॥ कौआकहतमरालसोंकोंनजानकोगोन॥ तौसौवद
रूपीमहाकोउनजगमैंहोन॥ कोउनजगमेंहोतकुटिल
मैलेमलखाने॥ उसरवैठमर्य्यादभ्रष्टआचारनजाने॥
कह॰ कहांतेआयोहौआ॥ धन्यहमारोदेसजहांसज्ज
नजनकौआ॥३७॥
सांईघोडनकेअछतगदहनआयौराज॥ कौआलीजे
हाथमैंदूरकीजियेवाज॥ दूरकीजियेवाजराजऐसोही
आयौ॥ सिंहकैदमैंकियोस्यारगजराजवरायो॥ कह॰
जहांयहवूरूवडाई॥ तहांनकीजेसांझसवोरहचलियेसांई॰
३९॥ भोरायदिनकठिनहैदुखसुख सहोसरीर॥ जव
लगिफूलैकेनकीतवलगविलमकरीर॥ तवलगविल
मकरीलहर्षमनमैंनहिंकीजे॥ जैसीवहैवयारपीठन

वते सी दीजे ॥कह० होय जिन जिय में वौरा ॥ सहेदु खऔ रसुकव एक सज्जन और भौंरा ॥३९॥

॥४०॥ हिरना विचरयो सिंहसों ओजर खुरी चलाय॥ झार खंड झीनो परयो सिंहा गयो बराय॥ सिंहागयोबराय समौ सामर्थ विचारयो॥ कुलहि कालमा लाप हंस्यो हंस कें ही हारयो ॥ कह० मोहियाही वन फिरना ॥ आज० गई करिजाउ काल्हि हों हों के हिरना ॥४०॥

॥४१॥ पानी वाढ्यो नाव में घर में वाढ्योदाम ॥ दोऊहाथ उली चिये यही सयानों काम ॥ यही सयानोंकामनाम ईश्वर को लीजे ॥ परस्वारथ के काज सीस आगेधरदीजे ॥ कह० वडेन की येही वानी ॥ चलिये चाल सुचाल राखिये आपनो पानी ॥४१॥

॥४२॥ मेंना जानें जीवकी तोता को दिन रेन॥ वकवकरी के नाकही मोर कहांते चैन॥ मोर कहांतेचैन दुनियामें तीतर जानें ॥ गलि गलि आई वाज मीन पाहीने छानें॥ कह० सुन कुरंग के वैना ॥ पिय गलडारी वांह हरममुख देखीनैना ॥४२॥

॥४३॥ हुक्का वांधी फेंट में नेगहि लीनी हाथ ॥ चलेराहमें जान हैं वंधी तमाखू साथ ॥ वंधी तमाखूसाथगैलको धंधो भूल्यो ॥ गई सव चिंता दूर आग देखत मन फूल्यो॥ कह० जुजम को आयो रुक्का ॥ जीव लैगयोकालहाथमें रहगयो हुक्का ॥४३॥

अष्ट पदी वनयात्रा॥१॥

यह व्रज रज मेरे मन भाईजू ॥ ०॥ श्री जमुना विश्रातस्नान कें नीके नेम लिवाईजू ॥ यह व्रज रज मेरे मन भाईजू०

मथुरा देवी दरसन करिकें महाप्रभूदरसापेज्ञ॥यहव्रज॥१॥मधुवन तालकुदर वहुलावन सांतन कुंडमेंन्हाईज॥
राधाकुंड श्रोर कृस्नकुंड की महिमा वरनीनजाईज॥
गोवरधनकी दे परिकरमामानसीगंगान्हाईज॥परमदरश्रादिवदरीवनसांकरी खोर में श्राईज॥यह व्रज रज॥२
कामाकामकामुना पूरन यह वनश्रतिसुखदाईज॥ वरसानेवसनंदगांवपैकोकिलादाहिनेलीपेज्ञ॥ यह व्रज॰४॥वटसंकेत खिद्रवनवसकर लीने चरन पुजाईज॰
शेष नाग छांया हरि दर्शनजहां पौ ढेजहुराईज॥ यह व्रज॰॥खेलन वनश्रोरचीर घाटपै नंद घाट दरसायेज्ञ॥वलभद्र भांडीर सकलवन मानसरोवरन्हाईज॰
यह॰॥६॥करि विश्राम लोहवनवसकर वलदाऊपरसायेज्ञ॥गोकुल श्रोर महावन महिमा सारदहू नापाईज॥यह॰॥७॥धन धनमथुरा धनवृंदावन धन्यजसोदामाईज॥ जिनकी महिमा को कवि वरनेप्रगटेकुमरकन्हाईज॥यहव्र॰॥८॥वारेवन वारे उपवन की लीलागाइ सुनाईज॥सूरदास भगवंतभरोसे चिन चरणन मेंलाईज॥यहव्रज॰॥९॥

॥पहेलियां॥१॥

एक नारजाकेंमुहसात॥सोमेंदेखी वैंडीजात॥ श्राधा मानस निगलेरहै॥ वूझ पहेली खुसरो कहै॥पजामा॥२॥एकनार देखीउड धंगी॥एखेहेवह टांगे नंगी
जो धोवन करनोहै काम॥ सोहै उसनारिया कोनाम
(धोती)॥ छुडला मुडला मंदलीभा नि॥सिर पर नाफ पेट में दांत॥भीगा वकरा वाकानाव॥दूझ श्र

पीया छोडो गांव ॥३॥ (तरबूज)॥ बाँधि बूंधिक रमेनेज
कडा ॥ एक गधा और एक है चकरा ॥४॥ खरबूजा ॥
नरनारि हम दोनों दीठे ॥ जो जो बोले तो तो मीठे ॥ एक
न्हाय एक सेक नहारा ॥ पर होवै वहां कीचन गारा ॥
नक्कारा ॥ स्याम सुंदर अति सोहिनी एक है वामें खोड़
छाती लागे पीव के नके पराई ओड ॥६॥ वृंदक
गुजरिया सिर पर मटकी ॥ मोहन बाँसुरिया
की० सिर पर आग विरह की जारी ॥ खडी सभा में देन
पुकारी ॥ हुक्का ॥७॥ एक शहर के राजा आठ ॥ न्यार
न्यार सब का ठाठ ॥ बूरु वारु कर किया परेखा ॥ ए
क वही में सब का लेखा ॥८॥ गंजफा ॥ क्या जानूं वह
कैसा है ॥ जैसा देखो वैसा है ॥ आरथ तो उसको समझेगा
मुह तो देखो बूझेगा ॥९॥ आईनह ॥ तुरकी में तो पाईना
और फारसी में भी आईना ॥ हिंदी कहूं तो आरसी आ
वे ॥ मुह देखो जो उसे बतावे ॥ १०॥ आईनह ॥ आधा
वाजा आधा गीला ॥ सारा जगत उसी में कीला ॥ ११॥
रक्कर ॥ नीचे से नोइ तनी सी और फेर फार बहुतेरा रे
जब मारूं तब बम बम बोले वू रुप हेला मेरा रे ॥ नक्कारा
॥१२॥ दो अंगुली पर वो रुउ ठावे सो मन का एक लडको
हरि का नाम वही भजे जो दास कहावे हरिका ॥ १३॥ ०
माला ॥ विन जीभ बानें करें विन जीभ अन्न खाय ॥ मा
रे ने वो मरे नहीं विन मारे मर जाय ॥ १४॥ मृदंग ॥
विन जड का एक विरखा देखा एन को काही फूला है ॥
आरंडी मैं नाम बताऊं कैं सत ना हक भला है ॥ १५॥
॥ सुनार ॥ श्याम वरन पर हरि नहीं जटा

सीसनहीं ईस ॥ मैंतुझेपूछों एसखीवहअंगलपेटेकी
च ॥ कसेरू ॥ १५ ॥ एकपुरुषऔरतिरियाचार ॥ कों
करपहुंचाउनपरप्यार ॥ आंखेंदेखऔरतनमैंबू
झ ॥ एईवराबरनहींहैंझूट ॥ हाथ ॥ १६ ॥ एकगोरी
एकसांवरीनार ॥ एकहीनामधराएकरतार ॥ दोनों
कामाकामबिकाय ॥ एकसखीएकमहंगीआय ॥
इलायची ॥ १७ ॥ एकनारिहैपीकीप्यारी ॥ परहैयह
एकअचरजभारी ॥ जोकोईवासेंहाथमिलाय ॥ म
रनजीवनकीएहबताय ॥ नाडी ॥ १८ ॥ करकठोर
कमलवदनदुरजनसंगविसराम ॥ एकबेरमेंक
हनहूंफेरनलेहूंनाम ॥ १९ ॥ बेर ॥ अगनगहमेंघ
रकियाजलमेंकियानिकास ॥ परदेपरदेजातहूं
पीअपनेकेपास ॥ हुक्का ॥ २० ॥ जवडालानारीको
भाया ॥ टांगउठाकरखेलमचाया ॥ कमरपकड
करदियाढकेल ॥ जवहुआउसनारीकाखेल ॥ झूला

॥ दोहा ॥

अहोभरनभावेसवलकहोवलखमनुनाथ ॥
हानिलाभजीवनमरनजसअपजसविधिहाथ ॥ १ ॥
सत्यवचनआधीनता परत्रियमातसमान ॥ इत
नेमेंहरिनामिलेतोतुलसीदासजमान ॥ २ ॥
परधनकोपाखानगिनपरत्रियमातसमान ॥ इ
तनेमेंहरिनामिलैंतोतुलसीदासजमान ॥ ३ ॥
विपतबराबरसुखनहींजोथोडेदिनहोय ॥ भल
बुरापहिचानियेलाविलीजैसवकोय ॥ ४ ॥
औगुणएकआछेदिननमेंगुनहोलागतणाने ॥ दिन

मलीनजवहोनहैं गुणओगुण होजात ॥५॥
सदांनवारोंमंडली सदानराजादेस ॥ सदानजोव
नथिररहै सदानकारेकेस ॥६॥
ऊंचेऊंचे सवचलै नीचा चलैनकोय ॥ तुलसी
नीचावहचलेजो ध्रुवसे ऊंचाहोय ॥७॥
लिखनकलमलखनहरफयही प्रीतिकामल ॥ जो
विछुरतलखेनहीं विसकेमुखपैधल ॥८॥

रागसोरठ ॥

होगिरधारी म्हांसे आछी प्रीतिपाली हो ॥ जलवूड
तगजराजउवारेनखपरगीरवरधारी हो ॥ तीनलो
कत्रिभुवननायक औहैंकारीकामरिहो ॥ मीराके
प्रभुगिरधरनागरचरणकमलवलहारी हो ॥१॥
अवमोहे भलेनाथनवने ॥ विपनविडारनतुमहो
गिरधरसुखकेसिंधगुनी ॥ हूंमतिहीनकछुनहीं
लायकतुमविनकौनगुनी ॥ कैसेकरप्रभुपारकरो
गिल्लजलाजठनी ॥ अवकीवारकृपाकरोस्वामी ॥२॥

मरहटी ॥

कान्हानेवजाईवाँसुरीमुझेविरमाईरे ॥ सखीज
लजमुनाकेनीरभरनसिरहीरे ॥१॥ सखीहमज
लभरनेचलींसीसधरमटकी ॥ मोहिमिलोनंदको
छैलवाँहमोरीझटकी ॥२॥ मेरोफाडोचीरलोडोहा
रचोलीसवतडकी ॥ मेरीचनरकीगईटूकचूरीस
वकडकी ॥३॥ मैंनोपडीरपटकेवीरफूटगईमटकी
मैंपडीधरनमैंजायसखीसवसटकी ॥४ मैंनोल
हीनगरकेलोगसर्मचढगईरे ॥ मेरीसुनेननद ॥

औरसासवातमोरीगईरे॥५॥जवदेखवहूका हाल सासउठवोली॥ वहूकहां फटीतेरीचूनर अंगकीचो ली॥६॥ किनतोडागलेकाहारचडीसवमोरी॥वहूऐ साकोवलवंतगहीजिनकोरी॥७॥ वहूएकवडीहैखे रकंथघरनाहींरे॥ तूलाईकुलकोंदागलाजसवगई रे॥८॥ हमचलीजमुनाकेनीरमिलीएकनारी॥मोसे कहवोलीवहसोकदेनलगीगारी॥९॥ हमभईछूट कछूटचीरगयोफाडी॥हुआनिवलसवलकासाथे मुझेदेमारी॥१०॥ वहतोकंसएयकेघरकीथीपनिहा री॥ मोहिमारकूटकेचलीगईवहनारी॥११॥जवदे खवहूकाहालसासमुसिकानी॥ दियादहीदूधखाने कोपासविठाई॥१२॥उनकियावहुतसाप्यारगलेसे लाई॥यहकहगोकुलकीनारवहुतरूसाई॥१३॥ करचतुराईसेवातसाससमुझाई॥कहैकैसोदासव नायसभीमनभाई॥१४॥सवऔगुनलियेछिपाय चतुरहोरहीरे॥कहैसासनंदकीलाजसभीरखलईरे॥

राग होली

तूटेढोमेरीटेढीगगरिया॥टेढीवातकरतत्रिभंगीक हादिखावैमोकोंटेढीपगरिया॥टेढींअलखेंगाढ़ि वांधूंगीकुछनचलेजवतेरीसुघरिया॥तेरोटेढोगो कुलहूजजीवनवाहूतेटेढीमेरीभांननगरिया॥ तू टेढोमेरीटेढीगगरिया॥१॥

कहरवा॥

धोवनकेनेनारसीलेउजले॥धोवन॥लादलुदाधोवीच लाचलाधोवीघाटकूं॥कुछसखेकुछउजलेधोवनके

मेनारसीलेउजले ॥१॥
सारेतीनपैसेमछली मेंनाबेचोंगी ॥सारे॥छोटीमोटी मछलीमेंकडवोतेल ॥पतलीसीकमरवाकूंदीयोर दकेल ॥सारे॥२॥
कालीघटासलोंनापानी ॥काली०॥यारवुलावेदेदो डीआवे॥खसमवुलावैम्हारोसिरदूखेयार॥०
एकवाजवुंदनहीं मोपैसवगहना ॥एक॥यारकूंमा ईमेनेसवकुछपहना॥ व्यादेखसमसेंनालहना० एकवाजवुंदनही ॥४॥
मेरेभोलेनवावकलकत्तेकीसेरकूंलेचलोरे ॥मे० छोकरीसेइश्कलवक्करवानोसेयारी ॥ वूढेकूंला नमारूंदद्कीअसवारी ॥५॥

दादरा

गढपरकोनेलगाईफुलवर्या ॥राजालगावैअमीर लगावे॥छोटादिवरालगाईफुलवर्या ॥१॥
नदियाकिनारेभंवरामगुजरी ॥लहेंगावीलायेशाल डावीलाये॥चूडियानलायेसोहीवातविगरी ॥नदि० मनवाखेतीकरोहरनामकी ॥मनवा॥पैसानलागे रूपयानलागेकोडीनलागेफूटीदामकी ॥मनवा॥०
॥इतिश्रीमजमूआहरदिलअजीज ॥
समाप्तम् ॥
॥हस्ताक्षररगीलाललगौडब्राह्मणभारद्वाजगोत्री